सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 331 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 13 सितंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

कुख्यात माओवादी कमांडर किशन की पत्नी ने किया सरेंडर, एक करोड़ का है इनाम

जगदलपुर। नक्सली संगठन को फिर एक बार बड़ा झटका लगा है। कुख्यात नक्सली कमांडर किशनजी की पत्नी सुजाता ने तेलंगाना में आत्मसमर्पण किया है। सुजाता पर सरकार ने एक करोड़ रुपये का इनाम रखा था। उसके सरेंडर को सुरक्षा एजेंसियां नक्सल मोर्चे पर बड़ी कामयाबी मान रही हैं। तेलंगाना पुलिस ने जानकारी दी है कि इस मामले में विस्तृत खुलासा तेलंगाना के डीजीपी करेंगे।

बताया जाता है कि सुजाता नक्सली संगठन के सेंट्रल कमेटी की मेंबर है। वह नक्सलियों के दक्षिण सब जोनल ब्यूरो की इंचार्ज के साथ ही और लंबे समय से छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में कई नक्सली वारदातों में सक्रिय रही है। उनके नाम पर कई बड़ी नक्सली वारदातें दर्ज हैं। इतना ही नहीं उसकी तुलना 'चंदन तस्कर' वीरप्पन से की जाती थी। माना जाता है कि वह खूंखार नक्सली हिड़मा को ट्रेनिंग दे चुकी है। सुरक्षा बलों की लिस्ट में वो टॉप रैंक की महिला नक्सली मानी जाती है। कई साल तक बस्तर में सक्रिय रहकर कई बड़ी नक्सली वारदातों को अंजाम दे चुकी है।

दुर्ग में ट्रैफिक के ई-चालान का लिंक क्लिक करने पर खाते पार हो गए 89 हजार

दुर्ग। मोबाइल पर ट्रैफिक विभाग का ई-चालान आए तो बिना सोचे समझे ऑन लाइन जुर्माना भरना भारी पड़ सकता है। साइबर ठगों ने लोगों को ठगने के लिए अब पुलिस विभाग का सहारा लेना शुरू कर दिया है। ई-चालान का लिंक भेजकर ठगी की जा रही है। दुर्ग में एक शख्स के साथ ऐसा हुआ। ई-चालन का मैसेज आया और शख्स ने बिना कुछ सोचे लिंक पर क्लिक कर पेमेंट करना चाहा। फिर क्या था उसके खाते दो बार में कुल 89500 रुपए पार हो गए। इस मामले में शिकायत पर दुर्ग कोतवाली पुलिस ने अज्ञात के खिलाफधारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दरअसल इस मामले में 11 सितंबर को वार्ड नं 03 चंडिका अस्पताल के बाजू में मठपारा दुर्ग निवासी नरेन्द्र कुमार बंजारे ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 9 सितंबर को उनके मोबाइल पर एक मैसेज आया। मैसेज यातायात विभाग से था और ट्रैफिक रूल तोड़ने के कारण ई-चालान भरने कहा गया। जैसे ही लिंक को क्लिक किया तो यूपीआई के माध्यम से दो बार में 49500 रुपए और 40,000 रुपए कुल 89500 निकाल लिए गए। नरेन्द्र बंजारे ने इस मामले की शिकायत साइबर थाने में दर्ज कराई है। फिलहाल इस मामले में दुर्ग कोतवाली पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

देश में रेल नक्शे में जुड़ गया पूर्वी राज्य मिजोरम सायरंग से पीएम मोदी ने रवाना की पहली ट्रेन

पीएम मोदी ने सायरंग-नईदिल्ली, सायरंग-कोलकाता व सायरंग-गुआहाटी एक्सप्रेस को रवाना किया

आइजोल (एजेंसी)। देश के रेल नक्शे में अब पूर्वी राज्य मिजोरम भी जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने मिजोरम-मणिपुर के दो दिवसीय दौरे के पहले दिन शनिवार को मिजोरम पहुंचे। मिजोरम के आईजोल और यहां लेंगपुई एयरपोर्ट से बैराबी-सायरंग रेलवे लाइन समेत 9000 करोड़ के प्रोजेक्ट का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस मौके पर मिजोरम को दिल्ली, कोलकाता और गुवाहाटी से जोड़ने वाली पहली ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर उन्होंने कहा, लंबे समय से हमारे देश की कुछ राजनीतिक पार्टियां वोट बैंक पॉलिटिक्स कर रही हैं। जिन्होंने मिजोरम को अनदेखा किया, लेकिन आज मिजोरम फ्रंटलाइन में हैं।'

इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मिजोरम का एक बड़ा रोल है हमारी नीति और आर्थिक कॉरिडोर में है। मिजोरम के लोगों ने हमेशा योगदान दिया, हमेशा प्रेरित किया। आज मिजोरम देश की विकास यात्रा में एक अहम भूमिका निभा रहा है। आज से आइजोल भी देश के रेलवे मैप पर होगा। मुझे यह अवसर मिला कि मैं रेलवे लाइन का उद्घाटन कर सकूं। कई चुनौतियों से उबरते हुए

यह रेल लाइन का सपना सच हो सका है। हमारे इंजीनियर की योग्यता ने इसे साकार किया।

प्रतिभाशाली युवाओं से भरपूर है मिजोरम : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि मिजोरम प्रतिभाशाली युवाओं से भरपूर है और हमारा काम उन्हें सशक्त बनाना है। हमारी सरकार यहां पहले ही 11 एकलव्य आवासीय स्कूल बना चुकी है। 6 और विद्यालयों पर काम शुरू होने वाला है।

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि इस क्षेत्र में लगभग 4500 स्टार्टअप और 25 इनक्यूबेटर काम कर रहे हैं। मिजोरम को हवाई यात्रा के लिए उड़ान योजना का भी लाभ मिलेगा। जल्द ही यहां हेलिकॉप्टर सेवाएं शुरू होंगी, जिससे मिजोरम के दूरदराज के इलाकों तक पहुंच आसान हो जाएगी। अब पहली बार मिजोरम का सायरंग, राजधानी एक्सप्रेस के जरिए दिल्ली से सीधे जुड़ जाएगा। यह सिर्फ एक रेल कनेक्टिविटी नहीं है, यह बदलाव की जीवनरेखा है।

45.30 घंटे में पूरा होगा सायरंग से दिल्ली तक का सफर

सायरंग से दिल्ली ट्रेन की वजह से अब यह राज्य राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सीधे जुड़ गया है। यह ट्रेन हफ्ते में एक दिन चलेगी और 2510 किमी का सफर 45 घंटे 30 मिनट तय करेगी। एवरेज स्पीड 57.81 किमी प्रति घंटे होगी। सायरंग-कोलकाता ट्रेन सप्ताह में 3 दिन चलेगी। कोलकाता से सायरंग के बीच की 1530 किमी की दूरी 31.15 घंटे में पूरी होगी। यह ट्रेन सप्ताह में शनिवार, मंगलवार और बुधवार को चलेगी। इस ट्रेन की एवरेज स्पीड 48.96 किमी प्रति घंटे होगी। सायरंग-गुवाहाटी ट्रेन सायरंग से दिन में 12:30 बजे चलेगी। आधी रात के बाद 2:30 बजे गुवाहाटी पहुंचेगी। इसके साथ एक मालगाड़ी भी सायरंग से निकलेगी देश के दूसरे हिस्सों को जोड़ेगी। अभी इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

राज्यपाल और राजनीतिक दलों ने जताई खुशी

मिजोरम के राज्यपाल जनरल वीके सिंह (सेवानिवृत्त) ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 11 साल पहले ही विजन दिया था कि विकास तभी होगा जब देश के दूर-दराज और सीमावर्ती इलाकों तक आधारभूत ढांचा पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि यह रेल लाइन मिजोरम को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ेगी और भविष्य में इसे म्यांमार सीमा तक भी बढ़ाया जा सकता है। मिजोरम की पार्टियां जोरम पीपल्स मूवमेंट (ZPM), मिजो नेशनल फ्रंट (MNF) ने भी इस परियोजना का स्वागत किया है। उनका कहना है कि इससे राज्य में आर्थिक विकास, व्यापार, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

छत्तीसगढ़ के मेडिकल कॉलेजों में नहीं होगी सीधी भर्ती बिलासपुर हाईकोर्ट ने रद्द की शासन की अधिसूचना

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के मेडिकल कॉलेजों में अब सीधी भर्ती नहीं हो सकेगी। हाईकोर्ट ने चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा 10 दिसंबर 2021 को जारी की गई अधिसूचना को रद्द कर दिया है। इसमें प्रोफेसर के खाली पदों को सीधी भर्ती से भरने के लिए एक बार की छूट दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि 2013 के नियमों के अनुसार प्रोफेसर के पद केवल पदोन्नति से ही भरे जाएंगे। एसोसिएट प्रोफेसर्स की याचिकाओं पर चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने यह फैसला सुनाया।

दरअसल, राज्य सरकार ने 10 दिसंबर 2021 को एक अधिसूचना जारी कर एकमुश्त (वन टाइम) छूट देते हुए प्रोफेसर के पदों पर सीधी भर्ती का रास्ता खोला था। इसका विरोध करते हुए राज्य भर के दर्जनों एसोसिएट प्रोफेसरों ने हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं लगाई थी। उनका तर्क था कि 2013 की भर्ती नियमावली में

स्पष्ट प्रावधान है कि प्रोफेसर पद पर भर्ती केवल प्रमोशन से होगी।

इस मामले की सुनवाई के दौरान सरकार ने कोर्ट में कहा कि प्रदेश में नए मेडिकल कालेज खुलने और सीटें बढ़ने से बड़ी संख्या में प्रोफेसरों की जरूरत है। अभी 242 प्रोफेसरों और 396 एसोसिएट प्रोफेसरों के पद स्वीकृत हैं, जबकि योग्य प्रोफेसरों की संख्या बहुत कम है। ऐसे में तुरंत भर्ती नहीं की गई तो मेडिकल शिक्षा पर संकट आ सकता है और नेशनल मेडिकल कमीशन (ह्रस्ष्ट) की मान्यता भी खतरे में पड़ सकती है। इसी कारण विशेष परिस्थिति में डायरेक्ट भर्ती की छूट दी गई थी। राज्यपाल को नियमों में छूट देने का अधिकार है, यह अधिसूचना उसी के तहत जारी की गई थी।

नोटिफिकेशन संवैधानिक और कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की दलील खारिज करते हुए कहा कि, भर्ती नियमावली 2013 के नियम 6 और शेड्यूल-2 में स्पष्ट लिखा है कि प्रोफेसर के पद पर 100 प्रतिशत प्रमोशन से ही भर्ती होगी। सरकार का छूट देने वाला नोटिफिकेशन संवैधानिक और कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है। किसी भी अधिसूचना से मूलभूत भर्ती नियमों में बदलाव नहीं किया जा सकता। कर्मचारियों को प्रमोशन का अवसर मिलना संवैधानिक अधिकार (अनुच्छेद 16) है, जिसे प्रत्यक्ष भर्ती से प्रभावित नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद अब प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसरों की सीधी भर्ती नहीं की जा सकेगी। ये पद प्रमोशन से ही भरे जा सकेंगे।

बीएसएफजवानों ने 14 फीट ऊंचा नक्सल स्मारक किया ध्वस्त

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर में नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों ने एक और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। 47 बटालियन बीएसएफ पाखंजुर के जवानों ने कांकेर जिले के परतापुर थाना क्षेत्र के दुर्गम जंगलों में नक्सलियों द्वारा बनाया गया 14 फीट ऊंचा स्मारक को धवस्त कर दिया है। जवान ने वालेर नदी और कई नालों को पार करते हुए गांव वाट्टेकल और परालमस्पी के गहरे जंगलों तक पहुंचे। गश्त के दौरान जवानों को मृत नक्सली नागेश का स्मारक मिला, जिसे तुरंत उखाड़कर नष्ट कर दिया गया। कमांडेंट विजेंद्र नाथ गांगोली ने बताया कि नक्सली अपने मारे गए साथियों की याद में स्मारक खड़े करते हैं, जिससे वे स्थानीय युवाओं को बरगलाकर संगठन से जोड़ने की कोशिश करते हैं। ऐसे स्मारकों को ध्वस्त करने से नक्सलियों के हौसले पस्त होते हैं।

आंगनबाड़ी केंद्र में बच्ची की मौत

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका बर्खास्त,पर्यवेक्षक भी निलंबित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार आगनबाड़ी केंद्र पदेली स्कूलपारा, सेक्टर-मर्दापाल-02 परियोजना कोण्डागांव-03 में करेंट लगने से एक बच्ची की मृत्यु की घटना पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को बर्खास्त किया गया है। वहीं पर्यवेक्षक को निलंबित किया गया है। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना कोंडागांव 3 द्वारा जारी आदेश के अनुसार उक्त घटना में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमति धसनी बाई एवं आंगनबाड़ी सहायिका श्रीमति ममता कोर्राम के घोर लापरवाही प्रदर्शित होने के कारण आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को तत्काल प्रभाव से पद से पृथक किया गया है।

साथ ही जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार पर्यवेक्षक द्वारा पर्यवेक्षण कार्य में लापरवाही तथा स्वेच्छाचारी आचरण पाये जाने पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियम 1966 के नियम 9 के तहत संबंधित मनीषा कतलाम, पर्यवेक्षक, सेक्टर मर्दापाल-02 को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिलों में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

- **प्रमुख सचिव ने की समीक्षा, गांव-गांव तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के निर्देश**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह ने शुक्रवार को मंत्रालय महानदी भवन में राज्य के नक्सल प्रभावित जिलों में विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में बस्तर, सुकमा, दक्षिण बस्तर, दंतेवाड़ा, उत्तर बस्तर कांकेर, नारायणपुर, कोंडागांव, बीजापुर, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी और गरियाबंद जिलों में हितग्राही मूलक कार्यक्रमों और योजनाओं की समीक्षा की गई।

प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह ने नक्सल प्रभावित जिलों में मनरेगा, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, उज्ज्वला योजना, जनधन खाता, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आधार कार्ड सहित अन्य हितग्राही मूलक कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की।

बैठक में बताया गया कि एलडब्ल्यूई प्रभावित जिलों में लगभग 99 प्रतिशत से अधिक लोगों का आधार पंजीकरण पूरा कर लिया गया है। इसी प्रकार लगभग 28 लाख 18 हजार 616 किसानों का प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत पंजीकरण कर उन्हें योजना का लाभ दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत 26 लाख 21 हजार 491 हितग्राहियों के बैंक खाते खोले गए हैं। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 35 लाख 66 हजार 409 हितग्राहियों को गंभीर बीमारियों के उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई

है। ग्रामीण इलाकों में मोबाइल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए मोबाइल टावर स्थापित किए जा रहे हैं। क्षेत्र में लोगों को अधिक से अधिक बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु विभिन्न बैंकों और डाकघरों की शाखाएं खोली जा रही हैं। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सभी पात्र हितग्राहियों को नियमित रूप से खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए राशन कार्ड बनाए गए हैं।

तो आखिर कहां सुरक्षित हैं बेटियां

श्रीकंचनपथ

यह समाज मानसिक रोगियों से भर रहा है। इनकी संख्या दिनों दिन बढ़ रही है। पर आज भी मानसिक रोगों को लेकर हम न तो सतर्क हैं और न ही इस दिशा में जागरूकता लाने की कोई कोशिश कर रहे हैं। यह खबर है गुरुग्राम की जहां एक शराबी पिता ने अपनी बेटियों का रेप किया। मामले का खुलासा तब हुआ जब छोटी बेटी ने अपनी आपबीती स्कूल में अपनी टीचर के साथ साझा की। टीचर ने उसकी मां को स्कूल बुलाया और उससे पूछताछ की। उसकी मां ने जो बातें बताईं उससे स्कूल का पूरा स्टाफ सन्न रह गया। उसने बताया कि इसकी शुरुआत छह साल पहले उसकी बड़ी बेटी से हुई थी। वह अब 17 साल की है। तभी से उसके साथ रेप हो रहा है। पिता शराब के नशे में घर लौटता और उसे घसीटकर अपने कमरे में ले जाता। विरोध करने पर मां-बेटी की पिटाई हो जाती इसलिए उसने कभी यह बात किसी को नहीं बताई। उसके पति ने बड़ी बेटी का स्कूल भी छुड़वा दिया। कुछ दिन पहले उसने अपनी छोटी बेटी, जो 12 साल की है, उसके साथ भी उसने ऐसा ही किया। तब भी वह चुप ही रही। वह तो भला हो छोटी बेटी का कि उसने ये बातें अपनी टीचर से साझा की और मामले का खुलासा हो गया। इसके बाद पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई और वहशी पिता को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। यदि मां ने थोड़ी सी हिम्मत जुटाई होती तो दोनों बेटियां इस त्रासदी से बच सकती थी। वह अपने पड़ोसियों या रिश्तेदारों की मदद ले सकती थी पर उसने ऐसा नहीं किया। आखिर किस तरह के समाज में जी रहे हैं हम। पिछले कई सालों से बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ के नारे देश में गूंज रहे हैं। बेटियों की मां के पेट में हत्या रोकने के लिए सोनोग्राफी संबंधी कठोर नियम बनाए गए। बेटियों का जन्म सुनिश्चित करने के बाद उनके पोषण और शिक्षा के लिए भी सरकार काफी काम कर रही है पर समाज अब भी सो रहा है। हमारा समाज लोगों के घरेलू मामलों में दखल नहीं देता। यही कारण है कि न केवल बहुएं प्रताड़ित की जाती हैं बल्कि जला कर मार दी जाती हैं। बच्चों के साथ मारपीट से लेकर यह सिलसिला यौन शोषण और उत्पीड़न तक जाता है। दो दिन पहले महाराष्ट्र के नासिक से भी ऐसी ही खबर आई थी। मामले का खुलासा तब हुआ जब किशोरी को गर्भ ठहर गया। अलीगढ़ की पोक्सो अदालत ने एक 50 साल के व्यक्ति को अपनी 14 साल की बेटी के साथ रेप करने के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई। राजस्थान के जयपुर से भी तीन महीने पहले ऐसी ही खबर आई थी जहां पिता अपनी दो नाबालिग पुत्रियों को हवस का शिकार बनाता था। क्या अब भी हम कहेंगे कि हम सभ्य समाज में जी रहे हैं?

संपादकीय

दक्षिण का द्वार भेदने की रणनीतिक कोशिश

नरेंद्र मोदी के उभार के पहले तक बीजेपी की छवि ब्राह्मण-बनिया समुदायों की बुनियाद पर टिकी उत्तर भारतीय पार्टी की रही है। मोदी की राजनीतिक छाया में बीजेपी ने इस छवि को काफी हद तक तोड़ने की कोशिश की है। इसके बावजूद तमिलनाडु, केरल, पंजाब जैसे राज्यों में बीजेपी प्रभावी नहीं बन पाई है। इनमें भी तमिलनाडु पार्टी के लिए अब भी प्रश्न प्रदेश बना हुआ है। पूर्व अधिकारी और तेज-तर्रार नेता अन्नामलाई के आक्रामक अभियान के चलते राज्य में पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी का समर्थक आधार दहाई के आंकड़े में पहुंच चुका है। बीते लोकसभा चुनाव में पार्टी को करीब साढ़े ग्यारह प्रतिशत और गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ करीब बीस प्रतिशत वोट मिला था। शायद यही वजह है कि बीजेपी तमिलनाडु में अपना समर्थक आधार बढ़ाने के लिए प्रयोग-दर-प्रयोग कर रही है। सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाना और उन्हें चुनाव जिताना उसी प्रयोग का विस्तार कहा जा सकता है। सीपी राधाकृष्णन के सामने उपराष्ट्रपति के रूप में कुछ चुनौतियां जरूर रहेंगी। राधाकृष्णन कामचलाऊ हिंदी समझ तो लेते हैं, दो-एक लाइनें बोल भी लेते हैं। उपराष्ट्रपति के रूप में राधाकृष्णन की जिम्मेदारी राज्यसभा की कार्यवाही चलाना होगी। राज्यसभा में ज्यादातर सांसद हिंदी भाषी हैं और वे अपनी बात हिंदी में ही रखते हैं, हंगामा भी हिंदी में करते हैं और बहसें भी हिंदी में ही करते हैं। राधाकृष्णन को इन पर पार पाने के लिए मेहनत करनी होगी। वैसे वे कहते रहे हैं कि राजनीति में अखिल भारतीय छवि बनाने के लिए हिंदी बोलना जरूरी है। अब उन्हें कामचलाऊ से कुछ ज्यादा हिंदी तो सीखनी ही पड़ेगी।

> **बीजेपी तमिलनाडु में अपना समर्थक आधार बढ़ाने के लिए प्रयोग-दर-प्रयोग कर रही है। सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाना और उन्हें चुनाव जिताना उसी प्रयोग का विस्तार कहा जा सकता है। जगदीप धनखड़ के औचक इस्तीफे से खाली हुए उपराष्ट्रपति पद को नया चेहरा मिल गया है। दक्षिण बनाम दक्षिण की जंग में तमिलनाडु बीजेपी का चेहरा रहे सीपी राधाकृष्णन देश के नए उपराष्ट्रपति होंगे। राधाकृष्णन तमिलनाडु की तीसरी शख्सियत हैं, जो उपराष्ट्रपति पद पर पहुंचने में कामयाब हुए हैं। इसके पहले तमिलनाडु के सर्वपल्ली राधाकृष्णन और आर वेंकटरमण उपराष्ट्रपति रह चुके हैं।**

भाजपा ने तमिलनाडु को साधने के लिए रणनीतिक तौर पर खूब कोशिशें की हैं। संसद के नए भवन में तमिल राजदंड के प्रतीक सेंगोल की स्थापना हो या फिर वाराणसी में तमिल-काशी संगम का आयोजन, तमिल जनमानस तक मोदी और बीजेपी की बैठ बढ़ाने की कोशिश का ही प्रतीक है। अक्तूबर, 2019 में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भारत का दौरा किया था। उस वक्त जिनपिंग का मोदी ने तमिलनाडु के खूबसूरत पर्यटक स्थल महाबलिपुरम में स्वागत किया था। इस मुलाकात को भी तमिलनाडु की जनता को साधने की बीजेपी और मोदी की कोशिश के रूप में देखा गया था। प्रधानमंत्री मोदी का अरियलूर जिले केगंगैकोंड चोलपुरम का दौरा हो या यहां के नजदीक स्थित बृहदीश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना हो, सबका संदेश एक ही है, तमिलनाडु के दिलों में अपनी पैठ बनाना। सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु में बीजेपी का बड़ा चेहरा रहे हैं। 1998 और 1999 में कोयंबटूर से बीजेपी के सांसद रहे सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु में तमिल मोदी के तौर पर भी प्रसिद्ध हैं। राधाकृष्णन राज्य में पिछड़े वर्ग में शामिल गौंडर जाति से आते हैं। दिलचस्प यह है कि इस जाति के वोटर कन्नड़ ब्राह्मण महिला जे जयललिता की अन्नाद्रमुक मुनेत्र कषगम के समर्थक माने जाते हैं। यह बात और है कि अन्नाद्रमुक की अगुआई कर रहे ई पलानिसामी और बीजेपी के फायरब्रांड नेता अन्नामलाई भी इसी बिरादरी के हैं। इस लिहाज से देखें तो सीपी राधाकृष्णन को बीजेपी ने शीर्ष पर बैठाकर गौंडर समुदाय को साधने की कोशिश की है। 2010 के विधानसभा चुनावों में अन्नाद्रमुक ने उन्हें पार्टी में शामिल होने और चुनाव लड़ने का खुला आमंत्रण दिया था लेकिन राधाकृष्णन ने अपनी प्रतिबद्धता नहीं तोड़ी। आजादी के बाद से ही तमिलनाडु की राजनीति में पिछड़ा और दलित समुदाय का प्रभुत्व रहा है। तमिलनाडु की राजनीति में अगड़ा समुदाय एक तरह से किनारे पर आजादी के बाद से ही है। बीजेपी की राज्य में सवर्ण जातियों की उत्तर भारतीय पार्टी की छवि है।

वनों के संरक्षण से ही संभव समग्र विकास

GYANENDRA RAWAT

देश-दुनिया में जिस गति से पेड़ों की संख्या घट रही है, उससे पारिस्थितिकी, जैव विविधता, कृषि, मानव जीवन और भूमि स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया। वैज्ञानिक चेतावनियों व जंगल बचाने के प्रयासों के बावजूद पेड़ कटाई और तेज़ हो गई। कुदरती कारण भी वन नष्ट कर रहे हैं। दुनिया में आज जलवायु परिवर्तन से मुकाबले की दिशा में पेड़ों और जंगलों की महत्ता की चर्चा जोरों पर है। इसका प्रमुख कारण है कि जलवायु परिवर्तन के चलते संतुलित और समग्र विकास का लक्ष्य समूची दुनिया के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। जिस गति से पेड़ों की संख्या घट रही है, उससे पर्यावरण ही नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी, जैव विविधता, कृषि, मानवीय जीवन और भूमि की दीर्घकालिक स्थिरता पर भी गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।

वास्तविकता यह है कि हर वर्ष दुनिया में एक करोड़ हेक्टेयर जंगल नष्ट हो रहे हैं। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने इसका खुलासा किया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, कीड़े-मकोड़े भी प्रतिवर्ष 3.5 करोड़ हेक्टेयर जंगलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वैज्ञानिक बार-बार चेतावनी दे रहे हैं कि मानव जाति जैव विविधता के विनाश की ओर अग्रसर है, जबकि यही जैव विविधता हमें अनेक बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

यदि वनों की अंधाधुंध कटाई पर रोक नहीं लगी, तो प्रकृति की लय पूरी तरह से बिगड़ जाएगी और वैश्विक तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि को रोक पाना अत्यंत कठिन हो जाएगा। ऐसी स्थिति में सूखा और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ेंगे, जिससे आर्थिक स्थिति भी प्रभावित होगी। वन न केवल हमें गर्मी से राहत प्रदान करते हैं, बल्कि जैव विविधता को बनाए रखने, कृषि की स्थिरता को सुदृढ़ करने, सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करने और जलवायु को संतुलित बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दरअसल, आज जो स्थिति वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर बनी हुई है, वह मानव के लोभ का ही परिणाम है। इसका दुष्परिणाम हमारे सामने मौसम में आए भीषण परिवर्तन और पारिस्थितिकीय तंत्र के संतुलन के विघटन के रूप में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। इससे न केवल पर्यावरण, बल्कि सामाजिक और आर्थिक ढांचा भी चरमराने लगा है। दशकों से वैज्ञानिक, पर्यावरणविद् और वनस्पति एवं जीवविज्ञानी यह चेतावनी दे रहे हैं कि अब हमारे पास पुरानी परिस्थितियों को पुनर्स्थापित करने के लिए बहुत कम समय बचा है।

यदि देश की बात करें, तो उत्तराखंड में बीते 8-9 वर्षों के दौरान ढाई लाख से अधिक पेड़ काटे जा चुके हैं। इनमें एक लाख से अधिक पेड़ 'ऑल वेदर रोड' परियोजना के तहत तथा शेष पेड़ पर्यटन, देहरादून से दिल्ली तक सड़क चौड़ीकरण, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना और सुरंग आधारित परियोजनाओं के नाम पर काटे गए हैं। इन परियोजनाओं के चलते देवदार, बांज, राई, कैल जैसी दुर्लभ प्रजातियों के पेड़ों का अस्तित्व ही मिटा दिया गया है। विकास के नाम पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई का यह सिलसिला पूरे देश में जारी है। अमेरिका की एएंडएम यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के एक अध्ययन में सामने आया है कि पेड़-पौधों की उपस्थिति मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने में सहायक होती है। करीब 6.13 करोड़ मानसिक रोगियों पर किए गए अध्ययन में यह पाया गया कि हरियाली के बीच रहने वाले लोगों में अवसाद की आशंका बहुत कम पाई गई।

पिछले दो दशकों में पूरी दुनिया में 78 मिलियन हेक्टेयर पहाड़ी जंगल नष्ट हो चुके हैं, जबकि पहाड़ 85 प्रतिशत से अधिक पक्षियों, स्तनधारियों और उभयचरों का आश्रय स्थल हैं। गौरतलब है कि हर वर्ष जितना जंगल नष्ट हो रहा है, उसका क्षेत्रफल लगभग एक लाख तीन हजार वर्ग किलोमीटर है, जो जर्मनी और नार्डिक देशों-आइसलैंड, डेनमार्क, स्वीडन और फिनलैंड- के संयुक्त क्षेत्रफल के बराबर है। इसके अनुपात में नए जंगलों के रोपण की गति बहुत धीमी है। दक्षिण अमेरिका के अमेजन बेसिन में फैले वर्षावनों की स्थिति भी चिंताजनक है। बढ़ते तापमान, भयावह सूखा, वनों की अंधाधुंध कटाई और आग की घटनाओं के चलते अमेजन के जंगल विनाश के कगार पर हैं। अब तक अमेजन का लगभग 18 प्रतिशत क्षेत्र नष्ट हो चुका है। जंगलों के विनाश में आग एक बड़ा कारक बन गई है, जिससे हर साल लाखों हेक्टेयर वनक्षेत्र आग की भेंट चढ़ जाता है।

साल 2023 में दुनियाभर में 37 लाख हेक्टेयर जंगल नष्ट हुए, जबकि भारत में इस वर्ष के दौरान 21,672 हेक्टेयर वन क्षेत्र समाप्त हो गया। वर्ष 2013 से 2023 के बीच के दस वर्षों में भारत में हुए 95 प्रतिशत वनों के विनाश में अवैध कटाई और जंगलों में आग की घटनाओं की बड़ी भूमिका रही है। यूके स्थित 'साइट यूटिलिटी बिडर' की नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत में पिछले 30 वर्षों के दौरान जंगलों की कटाई में भारी वृद्धि हुई है। विशेष रूप से 2015 से 2020 के बीच पांच वर्षों में जंगलों की कटाई चरम पर रही है।

जैव विविधता के संरक्षण में वनों की उपयोगिता सर्वविदित है, लेकिन हम इन्हीं वनों के साथ खिलवाड़ कर अपने जीवन के लिए खतरा उत्पन्न कर रहे हैं। बीते तीन दशकों में हमने वनों का बहुत बड़ा क्षेत्र मानवीय स्वार्थ के चलते समाप्त कर दिया हैं। दुखद बात यह है कि जंगलों को बचाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बावजूद वनों की कटाई और तेज़ हो गई है। सच्चाई यह है कि आज दुनिया में हर मिनट 21.1 हेक्टेयर जंगल समाप्त हो रहे हैं।

यदि अब भी हम नहीं चेते, तो हमारा यह मौन हमें कहां ले जाएगा? क्या मानव सभ्यता सुरक्षित रह पाएगी? यह सोचने का समय अब नहीं, कार्य करने का समय है। प्राकृतिक संसाधनों का उचित प्रबंधन आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं पर्यावरणविद् हैं।

हवाई जहाज में चलने वाले हवाई चप्पल पर आ गए

हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री मोदी ने सपना दिखाया था कि हवाई चप्पल वाला भी हवाई जहाज में उड़े। और हुआ क्या? वे खुद तो साढ़े आठ हजार करोड़ रुपए के हवाई जहाज में उड़ने लगे लेकिन दूसरी तरफ हकीकत है कि हवाई चप्पल वाला तो हवाई जहाज में नहीं बैठ सका पर जो हवाई जहाज में चलते थे वे भी हवाई चप्पल पर आ गए। एक के एक बाद एक बड़ी विमानन कंपनियां बंद हो गईं। जेट और गो एयर जैसी बड़ी कंपनियां बंद हुईं। उनके जहाज खड़े हो गए। दो कंपनियों का एकाधिकार अब पूरे विमानन उद्योग पर है। ये कंपनियां मनमाने तरीके से रूट तय करती हैं और मनमाने तरीके से किराया लेती हैं। यात्रियों की रक्षा का कोई उपाय किसी नियम के जरिए नहीं है। सब कुछ एल्गोरिदम पर आधारित है।

अगर किसी ने एक रूट पर किराया दो बार सर्च कर दिया तो किराया बढ़ कर डेढ़ गुना हो जाएगा। अगर किसी ने एक बार में रिटर्न टिकट लेने की बजाय एक तरफ की टिकट ली है तो वापसी की टिकट इतनी महंगी हो जाएगी की पसीने छूट जाएंगे। लगभग सभी विमानन सेवाएं सस्ती विमान सेवा के रूप में चल रही हैं, लेकिन उसमें भी किराया प्रीमियम से कम नहीं होता है। कुछ खाना है तो वह खरीदना पड़ेगा, चार गुना कीमत पर। प्रीमियमम क्लास में भी ग्राहक को खिचड़ी सर्व हो रही है! हवाईअड्डों पर हर चीज की कीमत किसी अच्छे मॉल की तुलना में भी तीन गुनी, चार गुनी है। पार्किंग के रेट मनमाने हैं। बैगेज पर अलग पाबंदियां बढ़ती जा रही हैं। किसी भी स्तर पर यात्रियों के हितों का ध्यान रखने की कोई व्यवस्था नहीं है। तमाम सरकारी एजेंसियां विमानन कंपनियों के हिसाब से काम कर रही हैं। और उनका हिसाब है यात्रियों को कितनी तरह से लूटना।

ऐसा नहीं है कि निजी कंपनियां विमान चला रही हैं इसलिए वहां समस्या है। ट्रेन तो सरकार खुद भी चला रही है लेकिन वहां और बुरी दशा है। सरकार का जोर प्रीमियम ट्रेन चलाने पर है लेकिन पता नहीं कैसे उसे दिख नहीं रहा है कि प्रीमियम ट्रेनें खाली चल रही हैं। अब वंदे भारत और तेजस की चर्चा नहीं है। बिहार चुनाव है तो अमृत भारत ट्रेन की चर्चा है। पिछले दिनों रेलवे ने तत्काल टिकट के नियमों में बदलाव किया कि पहले आधे घंटे तक एजेंट टिकट नहीं ले सकेंगे। आम लोगों को ही टिकट मिलेगी, जिनके आधार वेरिफाई किए जाएंगे। लेकिन उसका क्या फायदा हुआ? पहले आधे घंटे आईआरसीटीसी की साइट ही हैंग हो जा रही है या आधार ही वेरिफाई नहीं हो पा रहा है। यह सामान्य टिकटों में भी हो रहा है। महीनों पहले लोग टिकट की बुकिंग कराते हैं लेकिन जिस दिन बुकिंग शुरू होती है उस दिन ज्यादातर सामान्य यात्रियों को आईआरसीटीसी की साइट पर बुकिंग में समस्या आती है और दोबारा सिस्टम रिफ्रेश कर के वे बुकिंग के लिए जाते हैं तब तक वेटिंग आने लगती है।

ऐसा लाखों लोगों के साथ होता है। ऊपर से जब वेटिंग टिकट कैंसिल कराएं तो पैसे अलग से कट जाते हैं। यानी टिकट भी नहीं मिली और पैसे भी कट गए। इसके बाद ज्यादा पैसे देकर एजेंट से टिकट खरीदने के अलावा कोई रास्ता नहीं होता है। ट्रेनों में हवाईजहाज की तरह डायनेमिक या फ्लेक्सी फेयर का कांसेप्ट लागू कर दिया है, जिसके बाद एक हजार रू की टिकट लोगों को दो हजार, ढाई हजार में मिलती है। इतनी महंगी टिकट लेने के बाद यात्रा पहले जैसी ही है। लेकिन रेल मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस देखें तो लगेगा कि सन 1853 में पहली ट्रेन चलने से भी बड़ी क्रांति पिछले 10 साल में हुई है।

सड़क परिवहन में सबसे ज्यादा मनभावक हरियाली याकि क्रांति का दावा है। हर जगह एक्सप्रेसवे की चर्चा है। पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनॉल मिलाने का जो लक्ष्य 2030 तक पूरा होना था वह 2025 में ही पूरा हो गया। भले लोग चिल्ला रहे हैं कि इथेनॉल मिलाने से गाड़ियों के इंजन पर असर हो रहा है और माइलेज भी कम हो रही है लेकिन सरकार कान में तेल डाल कर बैठी है। सबसे दिलचस्प यह है कि कीमत कम करने के लिए इथेनॉल मिलाना शुरू हुआ था। लेकिन कीमत कम होने की बजाय अब तक के उच्चतम स्तर पर है। यानी कीमत कम नहीं हुई उलटे माइलेज कम होने से खर्च बढ़ गया और गाड़ियों के इंजन समय से पहले खराब होने लगे।

इन दिनों आयकर रिटर्न जल्दी दाखिल करने की रोज अपील जारी की जा रही है। कहा जा रहा है कि आप टैक्स देंगे तो हाईवे और एक्सप्रेसवे बनेंगे, देश के विकास में आपका योगदान होगा। लेकिन आय कर देने वाली एक मुर्गी छह बार हलाल हो रही है। एक बार आपने अपनी आय पर टैक्स दिया। फिर उस आय से गाड़ी खरीदी तो उस पर 28 फीसदी टैक्स दिया। उस गाड़ी का रजिस्ट्रेशन कराया तो वन टाइम रोड टैक्स दिया। गाड़ी का बीमा लिया तो उस पर टैक्स दिया, जो हर साल देना है।

उसके बाद गाड़ी में पेट्रोल या डीजल डलवाया तो उस पर 43 फीसदी तक टैक्स दिया और ऊपर से प्रति लीटर एक रुपए का इंफ्रास्ट्रक्चर सेस भी चुकाया। इतना करने के बाद गाड़ी लेकर सड़क पर निकले तो आपका पाला टोल टैक्स से पड़ेगा। दिल्ली से लखनऊ की यात्रा में एक तरफ का टोल नौ सौ रुपए के करीब है। सोचें, आम आदमी के टैक्स से बनी सड़क पर चलने के लिए छह तरह के टैक्स अलग से देने होते हैं। सोचे, दुनिया मेंऐसी हरियाली कहां मिलेगी? सड़क परिवहन का मतलब अब निजी गाड़ियों से यात्रा ही हो गया है क्योंकि ज्यादातर राज्यों सड़क परिवहन की सार्वजनिक व्यवस्था बहुत लचर हुई पड़ी है।

वाक और अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदियां

अजीत द्विवेदी

भारत के संविधान में अभिव्यक्ति की आजादी पर कुछ तर्कसंगत पाबंदी लगाने का प्रावधान है। संविधान के अनुच्छेद 19 (2) में इसे व्याख्यायित किया गया है। सरकारें अलग अलग समय पर अपने हिसाब से इसकी व्याख्या करती रही हैं और बोलने या किसी भी रूप में अपने को अभिव्यक्त करने की आजादी को नियंत्रित करने का प्रयास करती रही हैं। हर बार सरकारें जब ऐसा प्रयास करती हैं तो उसके खिलाफ आवाज उठाई जाती है लेकिन अंतत: सरकारें कामयाब होती हैं।

तभी धीरे धीरे वाक और अभिव्यक्ति की आजादी पर कई किस्म की पाबंदियां लग गई हैं। नए जमाने में यानी डिजिटल तकनीक के जमाने में जब लोगों को अभिव्यक्ति के नए प्लेटफॉर्म मिल गए हैं तब से पाबंदी की जरुरत ज्यादा महसूस की जा रही है और लगाई भी जा रही है। अब कुछ और नई पाबंदियों की आहट सुनाई दे रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए सरकार से कहा है कि वह डिजिटल मंचों पर होने वाली अभिव्यक्तियों को नियंत्रित करने के कानून बनाए। यह मामला एक खास किस्म की बीमारी से ग्रसित एक व्यक्ति का मजाक उड़ाने से जुड़ा हुआ है। कॉमेडी के नाम पर

किसी व्यक्ति की शारीरिक कमतरी का मजाक उड़ाना किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से भारत में कॉमेडी का यह रूप सहज स्वीकार्य होता है।

स्त्रियों का, कम लंबाई वाले या मोटे लोगों का या शारीरिक कमतरी का मजाक उड़ाना स्टैंडअप कॉमिक में शामिल है। ऐसे ही एक मामले की सुनवाई करते हुए 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने सरकार से कहा कि वह नेशनल ब्रॉडकास्टर एंड डिजिटल एसोसिएशन यानी एनबीडीए से सलाह मशविरा करके सोशल मीडिया को नियंत्रित करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करे।

असल में एक शारीरिक स्थिति होती है, जिसे स्पाइनल मस्क्यूलर एट्रोफी यानी एसएमए बोलते हैं, जो एक आनुवंशिक डिसऑर्डर है। एक गैर सरकारी संस्था ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी कि कई स्टैंडअप कॉमेडियन्स ने इस बीमारी से ग्रसित लोगों का मजाक बनाया है। इसमें समय रैना, विपुल गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर का नाम लिया गया था। सुनवाई के दौरान सभी पक्षों ने इसकी आलोचना की। लेकिन असली परेशान करने वाली बात यह है कि जस्टिस बागची ने 'कॉमर्शियल स्पीच' का एक जुमला बोला और कहा कि जब आप अभिव्यक्ति की आजादी का व्यावसायीकरण करते हैं तो आपको ध्यान रखना चाहिए कि आपकी बात समाज के किसी हिस्से की भावना को आहत न करे।

सरकार की ओर से पेश हुए अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने इस पर तत्काल कहा कि सरकार इसे नियंत्रित करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करेगी। इस पर अदालत ने कहा कि जो भी दिशानिर्देश बनाया जाए वह सिर्फ किसी विशिष्ट घटनाक्रम से पैदा हुए सवालों को ही एड्रेस न करे, बल्कि नई तकनीक और अभिव्यक्ति के नए उभरते मंचों की वजह से जो स्थितियां पैदा हो रही हैं उनको ध्यान में रखने वाली हों।

जाहिर है अदालत चाहती है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट को नियंत्रित करने के लिए एक समग्र दिशानिर्देश जारी हो। सर्वोच्च अदालत का यह आदेश सरकार के हाथ में एक नया हथियार दे सकता है। ध्यान रहे भारत के संविधान में अनुच्छेद 19 (2) के जरिए नियंत्रण के जो उपाय बताएं हैं उसके अलावा आईटी एक्ट 2000 के आईटी (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस एंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) रूल्स 2021 के जरिए भी सोशल मीडिया को नियंत्रित करने के उपाय किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स किसी तरह से सामाजिक विद्वेष फैलाने वाला या अश्लील कंटेंट प्रसारित नहीं होने देंगे। अगर इस कानून को कायदे से लागू किया जाए तो किसी अतिरिक्त कानून की जरुरत नहीं पड़ेगी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सरकार ने जितनी खुशी खुशी दिशानिर्देश बनाने की सहमति दी उससे लग रहा है कि सोशल मीडिया को नियंत्रित करने का कोई और कानून भी आ सकता है।

सर्वोच्च अदालत के आदेश में एक और बात विरोधाभासी दिखती है, जो 'कॉमर्शियल स्पीच' से जुड़ी है। अगर किसी स्टैंडअप कॉमेडियन के एक्ट को इस आधार पर 'कॉमर्शियल स्पीच' माना जाएगा कि वह उससे पैसे कमा रहा है तो फिर किसी पत्रकार या किसी अभिनेता या किसी लेखक को कैसे इससे बाहर रखा जा सकेगा? ध्यान रहे पत्रकार और लेखक भी अपने लेखन से पैसा कमाते हैं और अभिनेता पैसे के लिए ही फिल्मों या टेलीविजन में काम करते हैं। निर्माता, निर्देशक पैसे कमाने के लिए ही फिल्में बनाते हैं। अगर 'कॉमर्शियल स्पीच' का दायरा बढ़ा तो वाक और अभिव्यक्ति का हर स्वरूप और हर प्लेटफॉर्म इसके दायरे में आ जाएगा। यह सिर्फ सोशल मीडिया तक नहीं रूकेगा, बल्कि अखबार, पत्रिकाएं, फिल्म, टेलीविजन सब इसके दायरे में आएंगे। यहां तक कि नेता के भाषण को भी इसके दायरे में लाया जा सकता है क्योंकि उसका भी अंतिम लक्ष्य लाभ का पद हासिल करना होता है।

यह विरोधाभासी इसलिए है क्योंकि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के अपने फैसले अलग अलग रहे हैं। हमदर्द दवाखाना बनाम भारत सरकार मामले में 1959 में सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि विज्ञापन भी एक किस्म की अभिव्यक्ति का माध्यम है लेकिन जब इसमें व्यापार का पहलू शामिल हो जाता है तो यह विचारों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति के दायरे में नहीं आता है। हालांकि बाद में टाटा प्रेस बनाम महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड के केस में 1995 में माना कि कॉमर्शियल स्पीच को सिर्फ इस आधार पर अभिव्यक्ति की आजादी के दायरे से बाहर नहीं किया जा सकता है कि कोई लाभ कमाने वाली कंपनी इसे जारी कर रही है। बाद में एक और मामले में अदालत ने विज्ञापनों में सामाजिक सद्भाव और हितों का ध्यान रखने की सलाह दी थी। परंतु ऐसा लग रहा है कि इस मामले में स्थिति बहुत स्पष्ट नहीं है। अगर इस पर समग्रता से विचार नहीं किया गया तो सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश को आधार बना कर ऐसे दिशानिर्देश जारी कर सकती है, जिसके दम पर किसी भी स्पीच को कॉमर्शियल बताया जा सकता है, उस पर रोक लगाई जा सकती है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

ई-डिस्ट्रिक्ट परियोजना से संबंधित प्रशिक्षण संपन्न

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार शुक्रवार को लोक निर्माण कार्यालय के सभाकक्ष में ई-डिस्ट्रिक्ट परियोजना से संबंधित प्रशिक्षण आयोजित किया गया। ईडीएम सुश्री श्रुति अग्रवाल से मिली जानकारी अनुसार उक्त प्रशिक्षण में दुर्ग जिले के 106 कॉमन सर्विस सेंटर संचालक, लोक सेवा केंद्र, च्वाइस संचालक उपस्थित रहे। सभी संचालकों को ई-डिस्ट्रिक्ट परियोजना अंतर्गत संचालित सेवाओं जैसे आय, जाति, निवासी, विवाह आदि के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में पाटन तहसील तहसीलदार श्री पवन कुमार ठाकुर, दुर्ग एवं धमधा के नायब तहसीलदार श्री हलेश्वर नाथ खुटे एवं श्री योगेश सिंह राजपूत उपस्थित रहे। सभी संचालकों को राजस्व सेवाओं में आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में संचालक के सभी प्रश्नों के उत्तर दिए गए। उक्त प्रशिक्षण में ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर चिप्स तकनीकी सहायक एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय महाराजा अग्रसेन सम्मान के लिए प्रविष्टिया आमंत्रित

दुर्ग। राज्य शासन ने सामाजिक समरसता यथा सभी वर्गों में समभाव, सौहार्द, समाज सेवा को स्थाई कार्य जैसे अस्पताल, धर्मशाला, पेयजल, स्वच्छता एवं सामाजिक विकास के अन्य स्थाई स्वरूप के कार्यों में जनभागीदारी को बढ़ावा देने, सामाजिक चेतना का अच्छा वातावरण विकसित करने के योगदान को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से ''अखिल भारतीय महाराजा अग्रसेन सम्मान'' की स्थापना की है। वर्ष 2025 के लिए उक्त पुरस्कार प्राप्त करने के लिए एक व्यक्ति के चयन हेतु सर्वसंबंधितों से 22 सितम्बर 2025 शाम 5.30 बजे तक प्रविष्टियां आमंत्रित की गई है।

उक्त पुरस्कार की राशि 2 लाख रूपए चयनित व्यक्ति को नगद, सम्मान प्रतीक चिन्ह से युक्त पट्टिका एवं प्रमाण पत्र भी प्रशस्ति के रूप में दी जायेगी। पुरस्कार हेतु प्रविष्टि हेतु अपेक्षाओं की पूर्ति आवश्यक होगी। जिनमें व्यक्ति का पूर्ण परिचय, सामाजिक समरसता यथा सभी वर्गों में समभाव, सौहार्द, समाज सेवा के स्थाई कार्य जैसे अस्पताल, धर्मशाला, पेयजल, स्वच्छता एवं सामाजिक विकास के अन्य स्थाई स्वरूप के कार्यों में जनभागीदारी को बढ़ावा देने, सामाजिक चेतना का अच्छा वातावरण विकसित करने के क्षेत्र में किए गए कार्य, सेवाओं तथा अभिनव प्रयास के लिए किए गए कार्यों की सप्रमाण विस्तृत जानकारी, देना शामिल है। यदि कोई अन्य पुरस्कार प्राप्त किया हो तो उसका विवरण भी देना होगा।

पर्यावरण एवं उद्यानिकी समिति की बैठक, उद्यानों का संधारण के लिए 20 लाख का बजट स्वीकृत

20 कर्मचारी रखे जाएंगे उद्यानों की देखभाल के लिए, महापुरुषों की प्रतिमाओं का होगा सौंदर्यीकरण और रंगरोहन

■ **प्रभारी काशीराम कोसरे ने निगम क्षेत्र में उद्यानों के संधारण, सौंदर्यीकरण और वृक्षारोपण पर दिए निर्देश**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव और महापौर अलका बाघमार के मार्ग-दर्शन में आज पर्यावरण एवं उद्यानिकी समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति प्रभारी काशीराम कोसरे ने की।बैठक में निगम क्षेत्र के उद्यानों, सार्वजनिक स्थलों और महापुरुषों की प्रतिमाओं के संधारण एवं सौंदर्यीकरण से संबंधित कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा कर निर्णय लिये गये।

प्रभारी कोसरे ने कहा कि उद्यान न केवल शहर की सुंदरता बढ़ाते हैं बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य, मनोरंजन और बच्चों के खेलने के लिए भी बेहद आवश्यक हैं। इस दृष्टिकोण से उनका नियमित रख-रखाव होना अनिवार्य है। बैठक में उद्यानों के संधारण हेतु बजट, कर्मचारियों की नियुक्ति तथा वृक्षारोपण की कार्ययोजना पर विस्तार से विचार किया गया।

लोककला पथ का सौंदर्यीकरण

लोककला पथ पर स्थापित कलाकृतियों की सुंदरता बनाए रखने के लिए उनका रंगरोहन कराया जाएगा। इससे शहर की सांस्कृतिक पहचान को मजबूती मिलेगी। निगम क्षेत्र में लगे फाउंटेन की मरम्मत कर उन्हें पुन: चालू करने की योजना बनाई गई है, जिससे नागरिकों को आकर्षक दृश्य और शीतल वातावरण मिलेगा। दोनों स्थानों पर बनी कलाकृतियों का रंगरोहन कर उन्हें आकर्षक रूप दिया जाएगा ताकि शहर आने वाले लोगों को सुंदर दृश्य दिखाई दे।

उद्यानों के रखाव हेतु कर्मचारी नियुक्ति

निगम क्षेत्र में स्थित उद्यानों की देखरेख के लिए प्लेसमेंट पर 20 कर्मचारी रखे जाने का निर्णय लिया गया। यह कर्मचारी प्रतिदिन सफाई, सिंचाई और पौधों की देखभाल करेंगे। 20 लाख का संधारण मद स्वीकृत उद्यानों के संधारण एवं रख-रखाव के लिए 20 लाख रुपये का विशेष संधारण मद स्वीकृत किया गया है। इस राशि से गार्डन की मरम्मत, झूलों की व्यवस्था, पौधारोपण और फाउंटेन की देखभाल की जाएगी।

प्रतिमाओं का सौंदर्यीकरण

बैठक में यह भी प्रस्ताव पारित हुआ कि निगम क्षेत्र में स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं एवं स्मृति प्रतिकों की सूची तैयार कर उनके सौंदर्यीकरण व रंगरोहन का कार्य किया जाएगा। प्रभारी कोसरे ने कहा कि महापुरुषों की प्रतिमाएं समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत होती हैं, अत: उनका सम्मान और संरक्षण हमारी प्राथमिकता है।इस दौरान समिति के सदस्यगण व अधिकारी कर्मचारीग मौजूद रहे।

वार्डवार कार्ययोजना

वार्ड-56 एसटीई कॉलोनी - उद्यान की साफ-सफाई और वृक्षारोपण।
वार्ड-20 आदित्य नगर - शेखर साहू के घर के पास खाली पड़ी भूमि से अतिक्रमण हटाकर फेंसिंग व वृक्षारोपण।
वार्ड-55 मुक्तिधाम रोड और वार्ड-53 गणपति विहार - वृक्षारोपण कर हरियाली बढ़ाने का काम।
वार्ड-54 द्वारिका पुरी- गार्डन की साफ-सफाई और रख-रखाव।

उद्योगों की जानकारी संकलन

बैठक में निगम क्षेत्र में स्थापित कंपनियों और उद्योगों की जानकारी संकलित करने का भी निर्णय लिया गया। यह देखा जाएगा कि इन उद्योगों ने निगम से आवश्यक अनापत्ति प्रमाणपत्र लिया है या नहीं। इस संबंध में पर्यावरण विभाग को पत्र भेजने की अनुशंसा की गई। प्रभारी काशीराम कोसरे ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य सिर्फ शहर की साफ-सफाई करना ही नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है।

दानवीर भामाशाह सम्मान, 21 सितम्बर तक प्रविष्टियां आमंत्रित

दुर्ग। दानवीर भामाशाह सम्मान 2025 के लिए दानशीलता, सौहाद्र एवं अनुकरणीय सहायता प्रदान करने वाले उत्कृष्ट व्यक्ति/संस्था अपनी प्रविष्टियां 21 सितम्बर 2025 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। जिसमें अपनी प्रविष्टियां संस्था व व्यक्ति का पूर्ण परिचय, व्यक्ति व संस्था छत्तीसगढ़ में निवासरत व कार्यरत हो, व्यक्ति व संस्था का पिछला कार्य उत्कृष्ट हो और वर्तमान में भी निरंतर सक्रिय हो, उक्त सम्मान हेतु ज्यूरी के सदस्यों की प्रविष्टि मान्य नहीं होगी, दानशीलता एवं राष्ट्रीयता के क्षेत्र में किये गये कार्यों का विस्तृत विवरण, अन्य पुरस्कार प्राप्त किया हो, तो उसका विवरण, उत्कृष्ट कार्यों के संबंध में प्रकाशन, प्रख्यात व्यक्तियों/पत्र पत्रिकाओं द्वारा की गई टिप्पणी, निरन्तर क्रियाशील एवं निर्विवाद होने के विषय में जिला कलेक्टर की अनुशंसा और चयन होने की दशा में पुरस्कार ग्रहण करने की लिखित सहमति एवं पासपोर्ट साईज 03 फोटोग्राफ्स उपसंचालक समाज कल्याण दुर्ग को प्रेषित कर सकते हैं। अन्य जानकारी हेतु कार्यालय उपसंचालक समाज कल्याण विभाग दुर्ग से संपर्क अथवा विभागीय वेबसाईट में अवलोकन किया जा सकता है।

सेक्टर 09 चौक पर लहराया 50 फीट ऊंचा भगवा ध्वज, सनातनियों की एकजुटता का बना प्रतीक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय जनता युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ के कार्यसमिति सदस्य, रायपुर प्रभारी एवं श्रीराम जन्मोत्सव समिति के युवा विंग अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने आज अपने जन्मदिन को श्रद्धा, सेवा और सामाजिक सरोकारों के साथ मनाया। सुबह की शुरुआत सेक्टर-09 चौक में 50 फीट ऊंचे विशाल भगवा ध्वजारोहण से हुई। इस अवसर पर हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया, जिसमें शहर के विभिन्न धार्मिक संगठनों, रामभक्तों और सनातनियों ने भाग लिया। श्री पाण्डेय ने कहा कि यह ध्वजारोहण केवल हमारी एकजुटता का प्रतीक नहीं, बल्कि रामभक्ति, सनातन संस्कृति और राष्ट्रधर्म के प्रति हमारी सामूहिक आस्था का सार्वजनिक संकल्प है। लहराता भगवा ध्वज धर्म, संस्कार और राष्ट्र के प्रति समर्पण की गूंज बनकर उपस्थित जनसमूह को भावनात्मक ऊर्जा से भर गया।

इसके पश्चात उन्होंने सेक्टर-09 स्थित हनुमान मंदिर में बजरंग बली के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रतिवर्ष की परंपरा को निभाते हुए श्री पाण्डेय सेक्टर-08 स्थित स्नेह संपदा स्कूल पहुँचे, जहाँ उन्होंने बच्चों के साथ जन्मदिन मनाया। विद्यालय परिसर में स्थित श्रीराम मंदिर में दर्शन कर उन्होंने प्रभु से मार्गदर्शन और शक्ति की कामना की। बच्चों की आत्मीय शुभकामनाओं और स्नेह ने इस अवसर को और भी विशेष बना दिया। तत्पश्चात वे नयनदीप विद्या मंदिर सिविक सेंटर पहुँचे, जहाँ नेत्रहीन बच्चों के साथ समय बिताया। उन्होंने कहा कि इन बच्चों की मधुरता और स्नेह मेरे हृदय में विशेष स्थान रखते हैं। इनके साथ जन्मदिन मनाना मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा।

बच्चों द्वारा प्रस्तुत सुमधुर संगीत ने माहौल को भावविभोर कर दिया। जन्मदिन पर आज श्री पाण्डेय ने अपने निवास पर आगंतुकों, शुभचिंतकों, मातृशक्तियों, वरिष्ठजनों और युवा साथियों से भेंट की। सभी के आशीर्वाद और शुभकामनाओं ने उन्हें नई ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान की। उन्होंने कहा कि आप सभी का स्नेह और विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। यही साथ मुझे जनसेवा और सामाजिक कार्यों में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

बच्चों को प्रतिभा दिखाने मिले मंच, यही होगा उपहार

श्री पाण्डेय ने नयनदीप विद्या मंदिर में नेत्रहीन बच्चों से भेंट की और उनकी सुमधुर संगीत से भाव विभोर हो गये। उन्होंने कहा कि इन बच्चों को मां सरस्वती का आशीर्वाद प्राप्त है, इनमें बहुत प्रतिभा है। श्री पाण्डेय ने शहर के सभी धार्मिक और सामाजिक संगठनों से अपील करते हुए कहा कि इन प्रतिभावान बच्चों को प्रोत्साहित करें और इनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करें। बच्चों की प्रगति और उनकी चेहरे की खुशी ही जन्मदिन का सबसे अच्छा उपहार होगा। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष पुरूषोत्तम देवांगन, पार्षद पीयूष मिश्रा, गिरजा बंछोर आदि उपस्थित रहे।

विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों का योग कौशल देख दर्शक भी हैरान

■ **राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में दूसरे दिन अलग-अलग वर्ग में हुए प्रदर्शन**

भिलाई। यहां अग्रसेन भवन सेक्टर-6 में चल रही छठवीं राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता के दूसरे दिन देश के विभिन्न राज्यों से आए युवा खिलाड़ियों ने उत्साह और अनुशासन पूर्ण वातावरण में अपने योग कौशल का प्रदर्शन किया। इन नौजवानों के प्रदर्शन देखकर दर्शक भी हैरान रह गए।

प्रतियोगिता के इस चरण में सीनियर वर्ग व सीनियर वर्ग अ में आर्टिस्टिक पेयर बैकबेंडिंग, फॉरवर्ड बेंडिंग स्पर्धाएँ आयोजित की गई, जिनमें प्रतिभागियों ने कठिन आसनों का प्रदर्शन कर दर्शकों और निर्णायकों की सराहना प्राप्त की। निर्णायक मंडल ने प्रतियोगियों के आसन की शुद्धता, संतुलन, लय और एकाग्रता को मूल्यांकन का आधार बनाया। प्रतियोगिता स्थल पर दर्शकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही और वातावरण योगमय बना रहा। शुक्रवार को प्रथम चरण के सत्र में अतिथि के रूप राकेश दुबे पतंजलि योग समिति रायपुर और लेखु राम साहू समाज सेवी दुर्ग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सहयोगी के रूप में छत्तीसगढ़ योग एसोसिएशन के 150 से भी अधिक सदस्यगण सेवा प्रदान कर रहे है। इनमें प्रमुख रूप से धीरेन्द्र वर्मा,पीयूष साहू, मधुस्मिता पंडा,उद्धव साहू, अनेश देशमुख, अभय खनंग,आर पी शर्मा ,दिनेश मिश्रा,राजेश पवार, शैलेन्द्र विशी और शत्रुघ्न साहू सहित अन्य लोगों का विशिष्ट सहयोग है।

फॉरवर्ड बैंड में छा गए युवा

दूसरे दिन की प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने फॉरवर्ड बैंड प्रदर्शन से अपना स्थान सुनिश्चित किया। इनमें जयश्री चावड़ा गुजरात, पूजा साहा त्रिपुरा, रूबी यादव छत्तीसगढ़,पम्मी कुमारी झारखंड, भूमिका पाटीदार मध्यप्रदेश, सोनिया राजस्थान, एजाज अहमद जम्मू कश्मीर, रितेश खुशली गोवा, जयदीप त्रिपुरा ,लोकेश साहू छत्तीसगढ़ और ओमप्रकाश गुप्ता छत्तीसगढ़ का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा।

भिलाई तीन कॉलेज में एलुमनी मीट: पूर्व छात्रों ने साझा किए संस्मरण

■ **डॉ. खूबचन्द बघेल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई-3 में पूर्व छात्रों का एलुमनी मीट**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। डॉ. खूबचन्द बघेल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई-3 में पूर्व छात्रों के बहुप्रतीक्षित एलुमनी मीट का आयोजन अत्यंत उत्साह, उमंग और भावनात्मक माहौल में किया गया। यह अवसर न केवल वर्षों बाद पुराने मित्रों से पुन: मिलने का सुखद क्षण बना, बल्कि महाविद्यालय और इसके पूर्व छात्रों के बीच गहरे और स्थायी संबंधों को और प्रगाढ़ करने का माध्यम भी सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत गीत एवं पुष्पगुच्छ भेंट से हुआ। महाविद्यालय की परंपरा के अनुरूप सभी पूर्व छात्रों का तिलक कर, पारंपरिक विधि से स्वागत किया गया। इसके पश्चात आयोजित सामूहिक सेल्फी सत्र ने आयोजन को और भी रोचक बना दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अश्विनी महाजन ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा किसी भी शैक्षणिक संस्थान की सबसे बड़ी पूँजी उसके एलुमनी होते हैं। आपके जीवन की उपलब्धियाँ वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। इस तरह के आयोजन केवल आपसी संबंधों को सुदृढ़ नहीं करते, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

उन्होंने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि महाविद्यालय के पूर्व छात्र आज शिक्षा, प्रशासन, उद्योग, आईटी, साहित्य, कला, व्यवसाय, सामाजिक सेवा और राजनीति जैसे विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान दे रहे हैं। अनेक एलुमनी ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान स्थापित कर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस भव्य आयोजन ने यह सिद्ध कर दिया कि चाहे समय कितना भी बीत जाए, महाविद्यालय और उसके छात्रों के बीच का बंधन सदैव जीवित और मजबूत रहता है। एलुमनी मीट ने न केवल अतीत की स्मृतियों को जीवंत किया, बल्कि भविष्य की साझी योजनाओं का मार्ग भी प्रशस्त किया।

स्मृतियां और अनुभव हुए साझा

कार्यक्रम का सबसे हृदयस्पर्शी हिस्सा रहा एलुमनी संस्मरण सत्र। इस दौरान कई पूर्व छात्रों ने मंच से अपने अनुभव साझा किए। किसी ने प्राध्यापकों के मार्गदर्शन को अपने जीवन का सबसे बड़ा संबल बताया। किसी ने महाविद्यालय की शिक्षा और अनुशासन को सफलता की कुंजी कहा। तो कईयों ने यहाँ बने जीवनभर के मित्रों को अपनी अमूल्य धरोहर बताया। इन संस्मरणों ने न केवल एलुमनी को उनके सुनहरे छात्र जीवन की याद दिलाई बल्कि वर्तमान छात्रों के लिए भी यह प्रेरणादायी साबित हुए।

सांस्कृतिक एवं मनोरंजक गतिविधियां

कार्यक्रम को मनोरंजक और जीवंत बनाने हेतु वर्तमान छात्रों ने लोककला, संस्कृति और पर्यटन पर आधारित गीत, नृत्य, रंगोली एवं पोस्टर प्रस्तुत किए। डॉ. अल्पना देशपांडे के मार्गदर्शन में आयोजित बलून रेल खेल सबसे आकर्षक रहा। इसमें एलुमनी ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे कार्यक्रम का वातावरण उल्लास और हंसी-खुशी से गूंज उठा। स्पर्धा में प्रथम स्थान मनोज मित्रा, द्वितीय स्थान संदीप जैन व तृतीय स्थान उपकार चंद्राकर रहे।

एलुमनी एसोसिएशन को और अधिक सक्रिय बनाने की बनी योजना

इस एलुमनी मीट में यह प्रस्ताव रखा गया कि एलुमनी एसोसिएशन को और अधिक सक्रिय बनाया जाए। इसके अंतर्गत समाज सेवा कार्यक्रमों में एलुमनी की भागीदारी, वर्तमान छात्रों के लिए कैरियर मार्गदर्शन, सेमिनार और कार्यशालाएं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और महाविद्यालय के विकास कार्यों में सहयोग जैसी पहलें शामिल की जाएंगी। खेजड़ली बलिदान दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस प्रतीकात्मक पहल ने कार्यक्रम को सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. नीलम गुप्ता ने प्रभावशाली ढंग से किया। अंत में डॉ. मंजूला गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और सभी उपस्थित अतिथियों, एलुमनी तथा आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ. कमल किशोर शर्मा, संजय कुमार कश्यप, मंजू चंद्राकर, ईश्वर सिंह चौहान, जानवी साहू, अतुल सिंह, वर्षा पाण्डेय, हिमांशु पांडे, सुरेश कुमार, विजय कुमार यादव, प्रदीप झा, राजेश बघेल, लावण्या रेड्डी, नाग लक्ष्मी सेन, अनन्या सरकार, रश्मि प्रसाद, नीतू, मनोज मित्रा, श्याम कौशल, मनीष अग्रवाल, शीतल यादव, संदीप जैन, शांति सिंह, निलेश कुमार सिंह, अनीश कुमार, चंद्राकर, तेजेश्वर पाल, कुमारी भारती, रोहित चौधरी, एन.वी. सुषमा, रणजीत कौर, वरुण यादव, विपिन चंद्राकर, कविता वर्मा, शारदा, रविंद्र सैनी (1988 बैच), उपकार चंद्राकर, अजय कुमार साहू, अभिषेक शर्मा, धर्मराज साहू, योगेश कुमार, कुलदीप राडेकर, एल. उषा आदि उपस्थित रहे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

युक्तियुक्तकरण से अब प्राथमिक शाला करमनडीह में चार शिक्षक, शिक्षा व्यवस्था हुई दुरुस्त

रायपुर। जिले के बलौदाबाजार विकासखंड अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला करमनडीह में युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया से अब दो नए शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। कुंतला देवी साहू (शासकीय प्राथमिक शाला पौसरी) एवं रजनी कन्नौजी (महत्मा गांधी स्कूल, पुरानी बस्ती बलौदाबाजार) को यहां पदस्थ किया गया है। दो नये शिक्षकों की पदस्थापना से अब यहां चार शिक्षक हो गए है। इससे स्कूल की शिक्षा व्यवस्था दुरुस्त हुई है जिससे बच्चों के साथ पालकों में भी हर्ष है। विद्यालय में वर्तमान में 120 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिनमें 55 बालक एवं 65 बालिकाएं शामिल हैं। पूर्व में विद्यालय में मात्र दो शिक्षक कार्यरत थे, जिससे शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। युक्तियुक्तकरण से दो नए शिक्षक जुड़ने से अब पढ़ाई की व्यवस्था बेहतर रूप से हो गई है।छात्राओं ने भी इस बदलाव पर खुशी जताई है। कक्षा पाँचवीं की छात्रा कु. पूर्वांचल लहरें ने बताया कि अब हमारे स्कूल में पर्याप्त शिक्षक हो गए हैं। हमें सभी विषय अच्छे से पढ़ाए जा रहे हैं। जिससे अब पढ़ाई में मन लग रहा है हम नियमित रूप से स्कूल आ रहे है। इसी तरह कक्षा पाँचवीं की छात्रा कु. बसंती टंडन ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा युक्तियुक्तकरण से हमारे स्कूल में दो नए शिक्षक आए है, जिससे अब हमारे स्कूल में चार शिक्षक हो गए हैं। इससे हमें पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी गतिविधियों में भी मार्गदर्शन मिल रहा है। युक्तियुक्तकरण भविष्य के सपनों को पूरा करने में बहुत मददगार सिद्ध होगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग 930 का झलमला से शेरपार तक निर्माण पूर्ण

रायपुर। बालोद जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 930 का झलमला से शेरपार तक का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इससे सुगम एवं सुरक्षित आवागमन का मार्ग सुलभ हुआ है। वहीं पुरूर से झलमला तक शेष मार्ग के लिए भारत सरकार ने स्वीकृति प्रदान कर दी है और डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया जारी है। लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग बालोद के अनुविभागीय अधिकारी श्री अनिल कुमार छारी ने बताया कि पैकेज-01 के अंतर्गत झलमला से शेरपार तक का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। साथ ही पैकेज-02 के अंतर्गत शेरपार से महाराष्ट्र सीमा तक का कार्य 90 प्रतिशत तक पूरा हो गया है। इस मार्ग के पूर्ण हो जाने पर जिले के साथ-साथ सीमावर्ती जिलों और छत्तीसगढ़ राज्य को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध होगी। इस परियोजना को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, जिले के प्रभारी मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, लोक निर्माण मंत्री अरुण साव और क्षेत्रीय सांसद भोजराज नाग के प्रयासों से स्वीकृति और बजट मिला है।

शिक्षकीय सेवा सबसे बड़ा पुण्य कार्य : गजेन्द्र यादव

मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण योजना अंतर्गत ज्ञानदीप एवं शिक्षा दूत हेतु 15 शिक्षक-शिक्षिकाओं को किया गया अलंकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शिक्षकीय ज्ञान प्रदान करने से बड़ा पुण्य कार्य कोई दूसरा नहीं हो सकता। भारतीय परंपरा में गुरु को ईश्वर से पहले स्थान दिया गया है और शिक्षक का सम्मान ही जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। स्कूल शिक्षा, विधि एवं विधायी तथा ग्रामोद्योग मंत्री गजेन्द्र यादव ने दुर्ग में आयोजित मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए उक्त बातें कहीं।

शिक्षा मंत्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में उन्हें शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विभाग का कार्यभार ग्रहण करते ही 1122 शिक्षकों के पदोन्नति आदेश जारी किए गए। प्रदेश के सरकारी स्कूल अब शनिवार को प्रातः संचालित होंगे तथा उच्च न्यायालय के आदेश प्राप्त होते ही प्राचार्य एवं व्याख्याता पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ की जाएगी।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि उनका जीवन ग्रामीण परिवेश में बीता है, इसलिए वे गांव और बच्चों की जरूरतों को भलीभांति और बेहतर रूप से समझते हैं। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि सरकारी स्कूल के शिक्षक की भूमिका केवल पढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में आदर्श प्रस्तुत करने की भी है। शिक्षण कार्यों में कोताही और अनुशासनहीनता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश के कई शीर्ष अधिकारी और नेता सरकारी स्कूलों में पढ़कर आगे बढ़े हैं। यदि वे आगे बढ़ सकते हैं तो आज के विद्यार्थी भी पीछे नहीं रह सकते। शिक्षकों को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य कर छत्तीसगढ़ के भविष्य को नई ऊँचाइयों तक ले जाना होगा।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाने के लिए गुरुजनों का सम्मान आवश्यक है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों की प्राथमिक शिक्षा पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि मजबूत आधार ही उच्च स्तरीय शिक्षा को सशक्त बनाता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण योजना अंतर्गत ज्ञानदीप एवं शिक्षा दूत हेतु कुल 15 शिक्षक-शिक्षिकाओं को शिल्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इनमें दुर्ग जिले के पुष्पेन्द्र कुमार साहू, विजय लक्ष्मी राव, कु. वर्षा यादव, दीपक कुमार साहू, भानेश्वरी साहू, हिरेन्द्र कुमार मण्डावी, राघवेन्द्र कुमार ध्रुव, कामता प्रसाद धनकर, सुनील कुमार स्वर्णकार, दिलीप कुमार वर्मा, मोहन लाल यादव एवं शुभ्रा वर्मा शामिल रहीं। इसके अतिरिक्त कबीरधाम के व्याख्याता चंद्रिका प्रसाद चंद्रवंशी और बालोद के व्याख्याता तामसिंह पारकर को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विधायक ललित चंद्राकर, नगर निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित रहे।

बच्चों और महिलाओं को जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई जाए : मंत्री राजवाड़े

जशपुर में सखी वन स्टॉप सेंटर, खुला आश्रय गृह, बाल संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने जशपुर जिले में महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न संस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने शासकीय बाल संप्रेक्षण गृह (बालक), बालिका गृह, खुला आश्रय गृह (बालिका), सखी वन स्टॉप सेंटर में काउंसिलिंग, शयन, भोजन, पेयजल, स्वच्छता, मनोरंजन, सीसीटीवी जैसी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि बच्चों और महिलाओं के संरक्षण में कोई कमी न रहे, यह राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन संस्था में बेहतर संचालन किया जाए। सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई जाए। उन्होंने शासकीय बाल संप्रेक्षण गृह (बालक) के बच्चों से मुलाकात कर उसे पढ़ाई में मन लगाकर अच्छा आचरण करने की समझाईश दी। उन्होंने अधिकारियों को नियमित परामर्श और मार्गदर्शन की व्यवस्था और मजबूत करने को कहा। बालिका गृह में उन्होंने निवासरत बच्चियों से उनकी दिनचर्या, शिक्षा, भोजन की गुणवत्ता और मीनू पर चर्चा की तथा नियमित सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने खुला आश्रय गृह (बालिका) में वसुंधरा विशेषीकृत दत्तक ग्रहण एजेंसी में छोटे बच्चों को देखकर उन्होंने उन्हें गोद में लेकर दुलारा और अधिकारियों से बच्चों की देखभाल की विस्तृत जानकारी ली। सखी वन स्टॉप सेंटर में महिलाओं से चर्चा कर उनकी समस्याओं को सुनी। उन्होंने नवा बिहान कक्ष एवं काउंसिलिंग सेवाओं का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती रोक्तिमा यादव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली मंगलू की जिंदगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने जरूरतमंद परिवारों के जीवन में नई रोशनी भर दी है। इसका सबसे जीवंत उदाहरण हैं सुकमा जिले के छिंदगढ़ गाँव निवासी मंगलू, जिनकी जिंदगी अब पूरी तरह बदल चुकी है।

कभी वे अपने दो बच्चों के साथ जर्जर और कच्चे घर में रहते थे। बरसात में टपकती छत, गर्मी में तपती दीवारें और सर्दियों में असुरक्षा से भरी ठंडी रातें—ये सब उनके जीवन की कड़वी सच्चाई थीं। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 1.20 लाख रुपये की सहायता राशि और मनरेगा के तहत मिली मजदूरी से उनके सपनों का पक्का घर बन सका।

गाँववालों की मदद और प्रशासन के मार्गदर्शन से कुछ ही महीनों में दो कमरे, साफ रसोई, बिजली और शौचालय से युक्त आधुनिक घर तैयार हो गया। जब मंगलू ने अपने परिवार के साथ नए घर में प्रवेश किया, तो उनकी आँखों से खुशी और राहत के आँसू झलक पड़े। भावुक होकर उन्होंने कहा कि अब मुझे दूसरों के घर शरण नहीं मांगनी पड़ती। मेरा भी अपना घर है। मेरे बच्चे चैन की नींद सोते हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने मंगलू जैसे हजारों परिवारों को न सिर्फ पक्का घर दिया है, बल्कि उन्हें सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की नई पहचान भी दिलाई है। यह योजना साबित कर रही है कि सरकार का प्रयास समाज के सबसे वंचित वर्ग तक विकास की रोशनी पहुँचा रहा है।

जिला सीईओ श्री मुकुंद ठाकुर ने बताया कि जिले में पात्र परिवारों तक पीएम आवास योजना तेजी से पहुँचाई जा रही है। प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि हर जरूरतमंद को उसका अधिकार मिले। साथ ही, ग्रामीणों को आवास के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार भी उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे सामाजिक सहभागिता और आत्मनिर्भरता दोनों को मजबूती मिल रही है।

भू-अर्जन की कार्यवाहियों में लाएं तेजी: अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में आयोजित बैठक में शासन द्वारा स्वीकृति प्राप्त सड़क निर्माण के कार्यों के लिए जरूरी भू-अर्जन की कार्यवाहियों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने इस संबंध में जिला कलेक्टर के साथ मिलकर त्वरित कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ ही उन्हें निर्धारित समय पर पूरा करने पर जोर दिया। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह और प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सड़क, सेतु और भवन निर्माण की सभी परियोजनाओं के कार्यों को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाते हुए समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को फील्ड में सक्रियता व गंभीरता से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त सभी कार्यों में तेजी से भू-अर्जन कर निविदा की कार्यवाही पूर्ण करने और यथाशीघ्र कार्यारंभ करने को कहा। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बैठक में मौजूद सेतु बंध तथा सभी परिक्षेत्रों के मुख्य अभियंताओं को निर्देशित करते हुए कहा कि अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए प्रस्तावित कार्यों के लिए जरूरी मंजूरी तत्परता से प्रदान करें। उन्होंने डीपीआर बनाते समय ही परियोजना का अच्छे से मूल्यांकन करने को कहा ताकि बजट और कार्य पूर्णता के लिए निर्धारित समय के पुनरीक्षण की जरूरत न पड़े। उन्होंने बरसात के तुरंत बाद प्रदेशभर में सड़कों की मरम्मत का काम युद्धस्तर पर प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने दिसम्बर तक सभी जिलों में मरम्मत का काम पूर्ण करने को कहा।

श्री साव ने सभी मुख्य अभियंताओं को अगली समीक्षा बैठक के पहले भू-अर्जन, प्राक्कलन, निविदा, कार्य अनुबंध और कार्यादेश से संबंधित सभी कार्यवाहियों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में सड़कों पर पेच रिपेयर के लिए कार्ययोजना के अनुसार अनुबंध एवं कार्यादेश की स्थिति, राष्ट्रीय राजमार्ग तथा ए.डी.बी. के अपूर्ण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से शून्य हुआ बिजली बिलबचत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण भी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हर घर रोशन हो, हर परिवार आत्मनिर्भर बने, इस संकल्प को साकार कर रही है प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना। यह योजना केवल बिजली उपलब्ध कराने का माध्यम नहीं है, बल्कि नागरिकों को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ते हुए पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक पहल सिद्ध हो रही है। छत्तीसगढ़ का कोरबा जिला, जो ऊर्जा नगरी के रूप में देशभर में प्रसिद्ध है, अब पारंपरिक ऊर्जा के साथ नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहा है। इसी कड़ी में दादरखुर्द निवासी श्री अजय राज बेन की सफलता की कहानी पूरे क्षेत्र में प्रेरणा का स्रोत बन रही है।

भारतीय वायुसेना में सेवाएँ देने के बादअजय राज बेन ने वर्ष 2024 में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाते हुए अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सौर पैनल स्थापित कराया। सौर ऊर्जा से अब उनके घर की सभी आवश्यकताएँ पूरी हो रही हैं। पंखे, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, टेलीविजन और अन्य उपकरण निर्बाध रूप से चल रहे हैं। पहले जहाँ उन्हें हर माह बिजली बिल की चिंता रहती थी, वहीं अब उनका बिजली बिल शून्य हो गया है। अतिरिक्त ऊर्जा ग्रिड में प्रेषित होकर राज्य के ऊर्जा संतुलन में योगदान दे रही है।

श्री बेन ने सोलर पैनल स्थापित करने की सरकार की त्वरित एवं पारदर्शी व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि इस योजना से उन्हें दोहरा लाभ प्राप्त हुआ है। एक ओर उनके परिवार को मुफ्त बिजली मिल रही है, वहीं दूसरी ओर वे पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रहे हैं। आज दादरखुर्द ही नहीं, बल्कि आसपास के गाँवों और कस्बों में भी अनेक परिवार उनकी प्रेरणा से इस योजना से जुड़ रहे हैं। उनके पड़ोसी, रिश्तेदार और मित्र भी सौर ऊर्जा अपनाने के लिए उत्साहित हैं। श्री बेन का कहना है कि अब उन्हें बिजली बिल की कोई चिंता नहीं रहती। इस योजना ने सचमुच उनके घर में उजाला और उम्मीद जगाई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना आम नागरिकों के जीवन में आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण का मार्ग खोल रही है।

जल संरक्षण से सोनवर्षा ग्राम के ग्रामीण बने आत्मनिर्भर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के मनेन्द्रगढ़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत सोनवर्षा के राधारमण नगर ग्राम में जल संकट लंबे समय से एक गंभीर समस्या बनी हुई थी। भूमिगत जल स्तर 450 फीट से भी नीचे चला गया था, जिससे गर्मियों में ग्रामीणों को पेयजल एवं सिंचाई दोनों के लिए भारी कठिनाई का सामना करना पड़ता था। इस स्थिति से उबरने हेतु महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत खदान के पास नवीन तालाब निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया।

12.80 लाख रुपए की लागत से 07 अक्टूबर 2023 को प्रारंभ यह कार्य ग्राम पंचायत की देखरेख में

पूर्ण किया गया। निर्मित तालाब ने ग्रामीणों के निस्तार के साथ-साथ कृषि, मत्स्य पालन एवं आजीविका संवर्धन का भी प्रमुख साधन प्रदान किया।

तालाब के निर्माण से ग्रामवासियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। जहाँ पहले हर गर्मी में जल संकट एक बड़ी चुनौती बनता था, वहीं अब वर्षभर सिंचाई एवं पेयजल हेतु पर्याप्त जल उपलब्ध है। खेतों में नमी बनी रहने से उत्पादन में वृद्धि हुई है तथा हरी-भरी फसलें ग्रामीणों की समृद्धि का प्रतीक बन रही हैं। तालाब में मछली पालन प्रारंभ होने से ग्रामीणों को आय का नया स्रोत प्राप्त हुआ है, जिससे वे आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हुए हैं।

तालाब निर्माण के दौरान तकनीकी पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया। बाँध की ऊँचाई एवं चौड़ाई इस प्रकार निर्धारित की गई कि वर्षा जल का अधिकतम संग्रहण हो सके और लंबे समय तक जल उपलब्ध रहे। पर्याप्त गहराई होने के कारण गर्मियों में भी जल का उपयोग संभव हो पा रहा है। यह केवल सरकारी प्रयास ही नहीं बल्कि सामुदायिक एकजुटता का भी उत्कृष्ट उदाहरण है।

ग्रामवासी बाबू सिंह, जीत नारायण एवं एक्का प्रसाद ने संयुक्त रूप से तालाब में लगभग 3000 मछली बीज डाले हैं। वे स्वयं इसकी देखरेख करते हैं, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि तालाब ने उनकी सबसे बड़ी समस्या-जल संकट का समाधान कर दिया है। उनका गाँव आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर है। सोनवर्षा-राधारमणनगर का यह तालाब आज जल संरक्षण एवं ग्रामीण विकास की प्रेरणादायी मिसाल बन चुका है।

सैंसिटिव स्किन : क्या करें और क्या नहीं

हम में से कई लोगों की सैंसिटिव स्किन (अति संवेदनशील त्वचा) होती है. लेकिन हमें इस का पता ही नहीं होता. नतीजतन, ऐसी त्वचा की हम जरूरी देखभाल नहीं कर पाते हैं, जिस का बुरा असर हमारी त्वचा को झेलना पड़ता है. ।

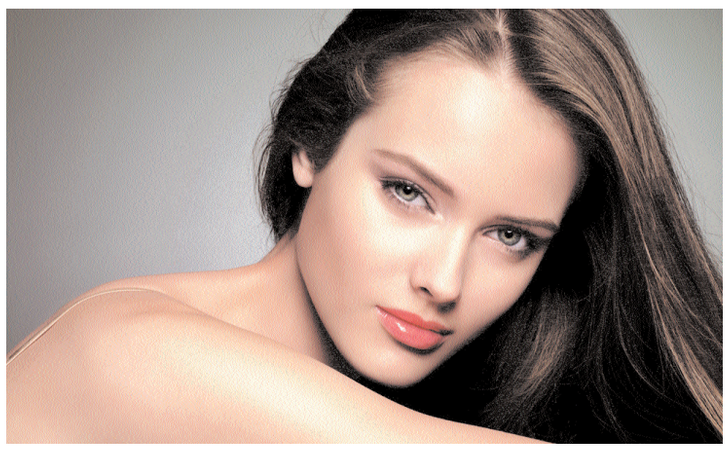

सैंसिटिव स्किन की पहचान

अगर आप की त्वचा पर लाल निशान पड़ते हैं, उस में खुजली होती है, दर्द के साथ सनसनाहट होती है, त्वचा जल्दी डैमेज हो जाती है, मौसम बदलने और प्रदूषण का उस पर असर होता है तो संभल जाइए, क्योंकि आप की त्वचा काफी सैंसिटिव है। अगर उपरोक्त समस्याओं में से एक भी समस्या आप की त्वचा की है तो जान लीजिए कि उसे देखभाल की ज्यादा जरूरत है। सैंसिटिव स्किन होना किसी तरह की बीमारी का लक्षण नहीं है, बल्कि यह तो कई बीमारियों का कारण बन सकती है। सैंसिटिव स्किन वालों को रोजेसिया, ऐग्जिमा, सोरायसिस, मुंहासे या ऐलर्जी हो सकती है। कई लोग इन लक्षणों को केवल सैंसिटिविटी मानते हैं और असल समस्या तक पहुंच नहीं पाते हैं। ऐसे किसी भी लक्षण का पता लगने पर तुरंत डर्मेटोलौजिस्ट से सलाह लें।

सैंसिटिव त्वचा वालों में अन्य लक्षण भी देखने को मिल सकते हैं जैसे किसी प्रोडक्ट के इस्तेमाल से रेशेज पड़ना, जलन होना या फिर धूप में ज्यादा देर तक रहने पर त्वचा में खिंचाव महसूस होना, झनझनाहट होना आदि। इस के अलावा कभीकभी चेहरे पर लाल निशान पड़ जाना भी धूप के कारण होता है। शेविंग के बाद भी अकसर देखा गया है कि दाने निकल आते हैं।

सैंसिटिव स्किन के कारण

सैंसिटिव स्किन होने के कई कारण हैं और हर व्यक्ति पर इस का अलगअलग असर हो सकता है। सैंसिटिव स्किन आनुवंशिक कारण से भी हो सकती है या फिर पर्यावरण में भी इस के कारण छिपे हो सकते हैं। अगर आप की त्वचा जल्दी लाल हो जाती है, उस में खुजली होती है, झांइयां आदि पड़ जाती हैं, तो यह समस्या आनुवंशिक हो सकती है। कुछ ऐलर्जिक रिएक्शन भी आप को परिवार से ही मिलते हैं।कई बार आप जो खाना खाते हैं, वह भी आप की स्किन को सैंसिटिव बना देता है या कुछ ऐलर्जिक रिएक्शन को बढ़ावा दे सकता है। कौफी व अन्य गरम पेयपदार्थ और गरममसाले भी आप की स्किन में होने वाले रिएक्शन का कारण बनते हैं। इस के अलावा आप की स्किन कुछ खास स्किनकेयर और हैल्थ प्रोडक्ट्स को ले कर भी सैंसिटिव हो सकती है। ऐसी हालत में आप की स्किन को अतिरिक्त देखभाल की जरूरत पड़ती है।

त्वचारोग विशेषज्ञ को दिखाएं

अगर आप त्वचा की सैंसिटिविटी की परेशानी से जूझ रहे हैं, तो आप तुरंत त्वचारोग विशेषज्ञ के पास जा कर अपना चैकअप करवाएं। आप को अपनी त्वचा के बारे में पता होना चाहिए कि किन वजहों से आप की स्किन इतनी सैंसिटिव हो रही है। त्वचारोग विशेषज्ञ को दिखा लेने के बाद आप के पास इस समस्या से निबटने के बेहतर तरीके व साधन होंगे।

हैल्दी रहने के लिए छोड़ें फास्टफूड

महिलाएं हमेशा अपने परिवार की सेहत के प्रति चिंतित रहती हैं. उन्हें लगता है कि उन के परिवार की सेहत पर कोई आंच न आए और वे हमेशा मुसकराते रहें और यह तभी संभव है जब वे फिट रहेंगे। इस के लिए महिलाएं क्या कुछ नहीं करतीं। सुबह के हैल्दी ब्रेकफास्ट से ले कर रात तक का डिनर उन का पौष्टिकता से भरपूर बनाती हैं और उन के इस प्रयास में दिल्ली प्रैस द्वारा आईटीसी आशीर्वाद सर्वगुण संपन्न कार्यक्रम का आयोजन गत 19 जुलाई, 2018 को दिल्ली के हरीनगर इलाके में व 24 जुलाई, 2018 को पीतमपुरा के नरसिंह भवन में किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत

कार्यक्रम की ऐंकरिंग अंकीता मंडल ने की। उन्होंने शुरुआत में ही बताया कि आज हम अपने अनहैल्दी खानपान की वजह से खुद को फिट नहीं रख पा रहे हैं जबकि आशीर्वाद आटे में सभी जरूरी पौष्टिक तत्व होने के कारण यह हमारे शरीर की जरूरतों को पूरा करने में काफी हद तक सक्षम है। इस के बाद उन्होंने रोटी मेकिंग की ऐक्टिविटी करवाई जिस का मकसद यह बताना था कि किस तरह आशीर्वाद आटा अन्य आटों से भिन्न व बेहतर है। इस में भाग लेने वाली सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

शैफ सैशन

इस के बाद शैफ सैशन शुरू हुआ जिस में शैफ वैभव भार्गव व आनंद पंवार ने आशीर्वाद शुगर रिलीज कंट्रोल आटे से लो शुगर स्वीट डिश बना कर डायबिटीज के मरीजों की भी स्वीट खाने की इच्छा को पूरा किया।

शैफ आनंद पंवार ने कोकोनट मिल्क बनाने की बहुत ही आसान रैसिपी बताई। उन्होंने बताया कि आप कसे नारियल में पानी डाल कर एक रात के लिए रख दें। फिर अगली सुबह छन्नी से पानी छान कर उसे कोकोनट मिल्क की तरह इस्तेमाल करें। बचे नारियल को आप खीर वगैरा में भी डाल कर इस्तेमाल कर सकती हैं।

न्यूट्रिशनिस्ट सैशन

फिर न्यूट्रिशनिस्ट सैशन शुरू हुआ जिस में डा। साक्षी अग्रवाल व लहर भटनागर ने खुद को फिट रखने के लिए बहुत ही उपयोगी टिप्स देने के साथ आशीर्वाद मल्टीग्रेन आटे की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए उसे इस्तेमाल करने की सलाह दी। उन्होंने हैल्दी रहने के लिए फास्टफूड छोड़ने व ज्यादा से ज्यादा लिक्विड की मात्रा बढ़ाने की सलाह दी। अकसर यह समस्या भी देखने को मिलती है कि बहुत ज्यादा वजन कम करने के कारण हम सबकुछ खाना छोड़ देते हैं जिस से भले ही वजन तो कम हो जाए लेकिन शरीर लटक सा जाता है जिस से पर्सनैलिटी चार्मिंग नहीं दिखती। इस के लिए मसल्स को टाइट करने के लिए प्रोटीन लें।

सिगरेट से ज्यादा खतरनाक है फ्लेवर्ड हुक्का

भारत में आज कल हर छोट बड़े शहरों और मौल्स में हुक्का बार या शीशा लाउंज पॉपुलर हो रहे हैं. खासकर युवा वर्ग अकसर बार में हुक्के के कश लगाते दिख जाते हैं. हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि हुक्का पीना सिगरेट पीने से ज्यादा नुकसानदेह नहीं होता. उनका मानना है कि हुक्के से खींचा जाने वाला तंबाकू पानी से होते हुए आता है इसलिए वह ज्यादा नुकसान देह नहीं होता. लेकिन हाल ही सामने आई एक रिसर्च से पता चला है कि हुक्का भी सिगरेट के बराबर हार्ट को नुकसान पहुंचाता है. इससे दिल की बीमारी होने खतरा बढ़ जाता है.

वहीं ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक हुक्का में जिस तंबाकू का इस्तेमाल होता है, उसमें कई तरह के अलग-अलग फ्लेवर का भी इस्तेमाल होता है. यही वजह है कि आज कल युवा इसे ज्यादा पसंद कर रहे हैं. हुक्के का स्वाद बदलने के लिए उसमें फ्रूट सिरप मिलाया जाता है, जिससे किसी भी तरह का विटामिन नहीं मिलता. लोगों को लगता है कि हुक्के में मिलाया जाने वाला यह फ्लेवर स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है. इसके अलावा हुक्के में सिगरेट की ही तरह कार्सिनोजन लगा होता है जिससे कैंसर होने की संभावना प्रबल होती है. हुक्के का धुआं ठंडा होने के बाद भी नुकसान पहुंचाता है. यह हार्ट अटैक, स्ट्रोक और कार्डियोवैस्कुलर जैसी जानलेवा बीमारियों का कारण बनता है.

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया की रिसर्च के मुताबिक हुक्के में इस्तेमाल किए जाने वाले हशिश (एक प्रकार का ड्रग) सेहत के लिए हानिकारक होता है. रिपोर्ट में बताया गया है कि जो लोग हुक्का पीते हैं उनकी धमनियां सख्त होने लगती हैं और हार्ट से संबंधित बारी होने का खतरा बढ़ जाता है. शोधकर्ताओं के मुताबिक हुक्के में भी सिगरेट की तरह हानिकारक तत्व व निकोटीन पाए जाते हैं, जो सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं. इसलिए लोगों को यह मानना बंद कर देना चाहिए कि इसकी लत नहीं लग सकती. हुक्के में मौजूद तंबाकू में 4000 तरह के खतरनाक रसायन होते हैं. हुक्के के बारे में सच यही है कि इसका धुआं सिगरेट के धुएं से भी ज्यादा खतरनाक होता है।

सावधानः महंगा पड़ेगा पब्लिक टॉयलेट का इस्तेमाल

ज्यादातर पब्लिक टौयलेट साफ-सुथरे नहीं होते. जो साफ दिखते हैं वहां भी काफी मात्रा में बीमारी फैलाने वाले कीटाणु मौजूद होते हैं. ऐसे में पब्लिक टौयलेट का इस्तेमाल करने से बचें. अगर पब्लिक टौयलेट का इस्तेमाल करना मजबूरी ही है तो इसके इस्तेमाल से पहले कुछ बातों का ध्यान रखें. ऐसा करने से आप खुद को बैक्टीरिया से होने वाले नुकसान से बचा सकती हैं.

■सबसे पहले तो पब्लिक टौयलेट के दरवाजे को खोलते समय सावधानी बरतें. यहीं से आप बैक्टीरिया के संपर्क में आ सकती हैं. इससे बचने के लिए टिशू पेपर से दरवाजा खोलें. इसके अलावा हैंड सेनेटाइजर का इस्तेमाल भी किया जा सकता है.

■टौयलेट सीट पर भी बहुत ज्यादा मात्रा में किटाणु पाए जाते हैं. ऐसे में सीट पर बैठने से पहले उसे टौयलेट पेपर से अच्छी तरह से साफकर लें. इसके अलावा सीट कवर का इस्तेमाल भी किया जा सकता है. ये छोटे पैक्स के रूप में फार्मेसी स्टोर पर मिलते हैं.

■टॉयलेट के बाद फ्लश बटन को हाथ से न दबाएं. कई लोगों का हाथ लगने की वजह से उस पर काफी मात्रा में किटाणु होने की संभावना होती है. इसलिए इसे दबाने के लिए भी टॉयलेट पेपर का इस्तेमाल करें.

■फ्लश करने के बाद तुरंत टौयलेट से बाहर चले जाएं. ऐसा इसलिए क्योंकि फ्लश की स्पीड बहुत तेज होती है. ऐसे में किटाणुओं के आपके श्वांसनली तक पहुंचने की संभावना होती है। ऐसे में या तो फ्लश करते ही आप टौयलेट से बाहर आ जाएं या फिर टॉयलेट सीट को बंद कर दें।

■अंदर से दरवाजा खोलने के लिए भी टौयलेट पेपर का इस्तेमाल करें। दरवाजे के अंदर वाले हैंडल पर बाहर वाले से ज्यादा किटाणु मौजूद होते हैं।

■सब कुछ करने के बाद लिक्विड हैंड वाश से अच्छी तरह से हाथ धोएं। ज्यादातर बीमारियां हाथ ठीक से न धुलने की वजह से होती हैं।

■हाथ धुलने के बाद टिशू पेपर से हाथ पोंछ लें। हैंड ड्रायर का इस्तेमाल करने से बैक्टीरिया आपके हाथों से चिपक जाते हैं। ऐसे में बीमार होने का खतरा बढ़ जाता है।

बारिश में पैरों को बचाएं फंगल इंफेक्शन से, यूं करें देखभाल

बारिश में कीचड़ से सने रास्तों, पानी से लबालब गलियों, आद्रता भरे ठंडे वातावरण तथा सीलन की वजह से पैरों को काफी झेलना पड़ता है. जूतों के चिपचिपे होने के कारण पैरों में दाद, खाज, खुजली तथा लाल चकत्ते पड़ जाते हैं. ऐसे में मानसून के सीजन में पैरों को देखभाल की अत्यधिक आवश्यकता होती है।

मानसून में पैरों की देखभाल

फुटवियर का रखें ध्यानः अगर आप बंद जूते पहनती हैं तो जूतों के अंदर टेलकम पाउडर का छिड़काव कीजिए। बरसात के मौसम के दौरान स्लिपर तथा खुले सैंडिल पहनना ज्यादा उपयोगी होता है, क्योंकि इससे पांवों में हवा लगती रहती है तथा पसीने को सूखने में भी मदद मिलती है, लेकिन खुले फुटवियर की वजह से पैरों पर गंदगी तथा धूल जम जाती है, जिससे पैरों की स्वच्छता पर असर पड़ता है।

फूट सोक : बाल्टी में एक चौथाई गर्म पानी, आधा कप खुरखुरा नमक, दस बूंदे नीबू रस या संतरे का सुंगधित तेल डालिए। यदि आपके पैरों में ज्यादा पसीना निकलता है तो कुछ बूंदें टी-औयल को मिला लीजिए, क्योंकि इसमें रोगाणु रोधक तत्व मौजूद होते हैं तथा यह पांव की बदबू को दूर करने में मदद करती है। इस मिश्रण में 10-15 मिनट तक पांवों को भिगोकर बाद में सुखा लीजिए।

फुट लोशन : 3 चम्मच गुलाब जल, 2 चम्मच नींबू जूस तथा एक चम्मच शुद्ध ग्लिसरीन का मिश्रण तैयार करके इसे पांव पर आधा घंटा तक लगाने के बाद पांव को ताजे साफपानी से धोने के बाद सुखा लीजिए।

ड्राइनेस फुट केयर : एक बाल्टी के चौथाई हिस्से तक ठंडा पानी भरिए तथा इस पानी में दो चम्मच शहद एक चम्मच हर्बल शैम्पू, एक चम्मच बादाम तेल मिलाकर इस मिश्रण में 20 मिनट तक पैर भिगोइए तथा बाद में ताजे स्वच्छ पानी से धोकर सुखा लीजिए।

कूलिंग मसाज आयल : 100 मिली लीटर जैतून तेल, 2 बूंद नीलगरी तेल, 2 चम्मच रोजमेरी तेल, 3 चम्मच खस या गुलाब का तेल मिलाकर इस मिश्रण को एयरटाइट गिलास जार में डाल लीजिए। इस मिश्रण को प्रतिदिन पैरों की मसाज में प्रयोग कीजिए। इससे पांवों को ठंडक मिलेगी और यह त्वचा को सुरक्षा प्रदान करके इसे स्वस्थ्य रखेगा।

नए कलेवर में आए नाइट गाउन, करें शॉपिंग

नाइट गाउन का नाम दिमाग में आते ही आराम का मामला है जुमला हमारे दिमाग में कोंधने लगता है। ऐसा हो भी क्यों न? रात को हर कोई चैन की नींद सोना चाहता है और इन नाइट गाउन से बेहतर भला क्या हो सकता है? नाइट गाउन कभी आउट ऑफ फैशन नहीं होते और इस बार भी नए कलेवर और नए रूप में नाइट गाउन ने फैशन वर्ल्ड में दस्तक दी है। तो फिर क्यों न अपनी नींद को आराम के साथ स्टाइलिश भी बनाया जाए?

■लूप चारमेंट की यह मेक्सी स्लिप देखने में जितनी खूबसूरत है, उससे कहीं ज़्यादा आरामदायक है। खास बात यह है कि इसे आप नाइट गाउन के अलावा मेक्सी ड्रेस के तौर पर भी पहन सकती हैं।

■क्यूट पिंक कलर में आरक्स का यह केडिल स्लिप गाउन आपका मन मोह लेगा। वेस्टलाइन पर इसमें इलास्टिक टक्स दिए हैं, ताकि आप सेक्सी लुक के साथ अपनी कर्वी बॉडी को भी फ्लॉन्ट कर सकती हैं। इसे पहनकर आप कहीं बाहर भी घूमने जा सकती हैं। इसके लिए बस आपको इस गाउन के साथ एक स्कार्फ की ज़रूरत होगी।

दिल की शेप में दिखाई देने वाली स्ट्रॉबैरी, दिल के स्वास्थ्य के लिए है बेस्ट

कहते हैं कि स्ट्रॉबैरी में सबसे ज्यादा एंटी-ऑक्सिडेंट्स होते हैं. ये दिमाग को सही काम करने, दिल से जुड़ी समस्याओं को बेहतर करने, ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में कारगर होती है. आज हम आपको बताने जा रहे हैं स्ट्रॉबैरी के बारे में जिसके 5 स्वास्थ्य संबंधी फायदे जानकर आप हैरान हो जाएंगे और इसे जरूर अपनी डाइट में शामिल करना शुरू कर देंगे। ये प्रीमैच्योर एजिंग और पाचन क्रिया को भी बेहतर करने में मददगार होती है।

■स्ट्रॉबैरी को फ्रैगारिया के नाम से भी जाना जाता है। ये मीठी, लाल दिल शेप में दिखाई देने वाली स्ट्रॉबैरी टेस्ट में काफी स्वादिष्ट होती है।

■स्ट्रॉबैरी में कई स्वास्थ्य संबंधी फायदे होते हैं। इसकी अपनी एक अलग खुशबू होती है। सर्दियों में ये सबसे ज्यादा आती है। स्ट्रॉबैरी विटामिन-सी और के, पोटैशियम, मैग्नीज और मिनरल्स का अच्छा स्रोत मानी जाती है।

■स्ट्रॉबैरी में मौजूद मिनरल्स और फाइटोकैमिकल्स मानसिक स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छी होती है। ये दिमाग तक खून के दौरे को भी बेहतर करने में मददगार है।

■स्किन से जुड़ी सभी समस्याओं के लिए स्ट्रॉबैरी एक अच्छा विकल्प है। इसमें मौजूद सैलीसायलिक एसिड स्किन में मौजूद डेड सेल्स को खत्म करती है।

अक्सेसरीज के बिना अधूरा है आपका साड़ी लुक

साड़ी एक ऐसा गार्मेंट है जिसे आप किसी भी अकेजन पर पहन सकती हैं। फिर चाहे ऑफिस में प्रफेशनल लुक में जाना हो या फिर किसी पार्टी में...कहते हैं अगर आपके मन में डाउट हो और समझ न आ रहा हो कि क्या पहनें तो साड़ी पहन लीजिए...इंस्टेंटली आपका लुक ग्लैमरस हो जाएगा। हम आपको बता रहे हैं उन अक्सेसरीज के बारे में जिनके बिना आपकी साड़ी और साड़ी का कम्प्लीट लुक अधूरा है

जूड़ा और जूड़े में गजरा

अगर आपकी साड़ी के साथ ही ब्लाउज भी स्टाइलिश है और ब्लाउज के बैक पर आपने काफी मेहनत की है तो आपको जूड़ा हेयरस्टाइल बनाना चाहिए। फिर चाहे स्लीक जूड़ा हो, चोटी वाला जूड़ा या फिर मेसी जूड़ा...हर तरह का स्टाइल साड़ी के साथ बेस्ट लगता है। अब जूड़ा है तो जूड़े में गजरा भी होना चाहिए तभी आपका लुक बनेगा कम्प्लीट।

ट्रडिशनल नोज पिन

नोज पिन एक यूनीक फैशन अक्सेसरी है। खासतौर पर जब आप इसे साड़ी के साथ पहनती है तो आपके चेहरे के साथ ही ओवरऑल लुक भी बेहतरीन हो जाता है। आप चाहें तो साड़ी के साथ बड़ी सी नथ पहन सकती हैं या फिर महाराष्ट्रिन स्टाइल वाली नोज पिन भी साड़ी के साथ खूब जंचती है।

कानों में बड़ा झुमका

साड़ी के साथ जूलरी पहनना भी मस्ट है और अगर आपको समझ नहीं आ रहा कि कैसी जूलरी पहननी चाहिए तो आप दीपिका पादुकोण या कृति सैनन में से किसी से भी टिप्स ले सकती हैं। साड़ी के साथ बड़े-बड़े स्टड्स और लंबे और बड़े झुमके दोनों ही बेहतरीन लगते हैं।

स्टाइलिश नेकपीस

इन दिनों चोकर नेकपीस बहुत ज्यादा चलन में है।

स्वाद के साथ सेहत के लिए भी अच्छा है पॉपकॉर्न

पॉपकॉर्न खाना सभी को पसंद होता है। लेकिन क्या आपको पता है पॉपकॉर्न सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं बल्कि आपकी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। पॉपकॉर्न अगर सही तरीके से पकाया गया हो तो वह स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है। पॉपकॉर्न में ज्यादा तेल या घी का प्रयोग न हो इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए। पॉपकॉर्न पर लहसुन और कालीमिर्च पाउडर डालकर खाने से दिल को फायदा होता है। बिगड़ती लाइफस्टाइल के चलते आजकल ज्यादातर लोग कब्ज की चपेट में हैं। यह एक ऐसी समस्या है जिसमें व्यक्ति असहज तो महसूस करता ही है साथ ही उसका पेट फूलना, पेट के निचले हिस्से में दर्द होना जैसी समस्याएं होती हैं। इसके अलावा कई दिनों तक पेट साफ न हो तो पेट में इंफेक्शन का खतरा भी हो जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि कब्ज की समस्या के लिए पॉपकॉर्न वाकई बहुत फायदेमंद है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर होता है जो हमारी आंतों पर चिपके मल को बाहर निकालने में मदद करता है। बता दें अगर कब्ज की ज्यादा समस्या है तो पॉपकॉर्न और पानी पीना अच्छी तरह से शुरू कर दें। पॉपकॉर्न विटामिन और खनिज पदार्थों के भी स्रोत हैं। इसमें रेशे की भी भरपूर मात्रा होती है, जिससे भूख जल्दी शांत होती है। पॉपकॉर्न लो कैलरी फूड की श्रेणी में आते हैं जिससे यह वजन कम करने में भी सहायक होते हैं।

देश का प्रथम डिजिटली जीवंत संग्रहालय लगभग बनकर हुआ तैयार

छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के गौरव गाथा पर आधारित है संग्रहालय

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्योत्सव पर करेंगे संग्रहालय का शुभारंभ
- संग्रहालय निर्माण का कार्य 30 सितम्बर तक पूर्ण करने का लक्ष्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय लगभग बनकर तैयार हो गया है। देश का पहला डिजिटली संग्रहालय होगा, जहां छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के गौरव गाथा एवं योगदान की जीवंत झांकी देखने को मिलेगी। यह संग्रहालय आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, परिसर में तैयार हो रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राज्योत्सव के मौके पर छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान इस संग्रहालय के उद्घाटन के मद्देनजर प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने संग्रहालय की निर्माण की प्रगति की समीक्षा की और 30 सितम्बर तक सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा एवं रानी गाइडल्यू की मूर्ति लगाने और संग्रहालय के पार्श्व पर ट्राईबल कलाकारों की आर्ट्स को अंकित करने के साथ ही संग्रहालय की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर, छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी निगम के संचालक डॉ. जगदीश कुमार सोनकर, संचालक टीआरटीआई श्रीमती हीना अनिमेष नेताम सहित निर्माण कार्य से जुड़े अधिकारी और निविदाकार उपस्थित थे।

डिजिटल स्क्रीन पर मिलेगी जनजातीय विद्रोहों की झलक

शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय में स्वतंत्रता आंदोलन के समय छत्तीसगढ़ में हुए विभिन्न आदिवासी विद्रोहों जैसे हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भोपालपट्टनम विद्रोह, परलकोट विद्रोह, तारापुर विद्रोह, लिंगागिरी विद्रोह, कोई विद्रोह, मेरिया विद्रोह, मुरिया विद्रोह, रानी चौरिस विद्रोह, भूमकाल विद्रोह, सोनाखान विद्रोह, झण्डा सत्याग्रह एवं जंगल सत्याग्रह के वीर आदिवासी नायकों के संघर्ष (1923, 1920) एवं शौर्य के दृश्य का जीवंत प्रदर्शन होगा। शहीद वीरनारायण सिंह स्मारक सह आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित यह संग्रहालय पूरी तरह से डिजिटली रूप से तैयार किया जा रहा है। आगंतुक डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से आदिवासी विद्रोहों की जानकारी ले सकेंगे। इसके अलावा मोबाइल फोन के जरिए भी क्यू आर कोड स्कैन के जरिए देखी जा सकेगी। स्वतंत्रता सेनानियों की जानकारी हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषाओं में उपलब्ध रहेगी।

सेल्फी प्वाइंट और दिव्यांग जनों के लिए भी विशेष इंतजाम

संग्रहालय में पर्यटकों एवं आगंतुको के लिए आदिवासी विद्रोहों से संबंधित कॉफी टेबल बुक भी उपलब्ध रहेगा। इसके अलावा संग्रहालय में आगंतुकों के लिए भी सेल्फी प्वाइंट भी बनाया जा रहा है। यहां आने वाले सीनियर सिटीजन और दिव्यांग जनों के लिए भी विशेष सुविधाओं का भी इंतजाम किया जा रहा है।

एग्रीस्टेक और एकीकृत किसान पोर्टल में होगा किसानों का पंजीकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल की अध्यक्षता में धान खरीदी एवं कस्टम मिलिंग की नीति निर्धारण से संबंधित निर्णय लेने हेतु गठित मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक मंत्रालय महानदी भवन में संपन्न हुई। बैठक में कृषि मंत्री रामविचार नेताम, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी तथा राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा उपस्थित थे।

बैठक में आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में पंजीकृत किसानों से भारत सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य पर धान खरीदी किए जाने के लिए समुचित एवं पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। खरीफ वर्ष 2025-26 में किसानों का पंजीकरण एग्रीस्टेक पोर्टल के साथ-साथ एकीकृत किसान पोर्टल में किया जाएगा। किसान पंजीकरण का कार्य निर्धारित समय-सीमा में संपन्न करने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि किसानों को उनके द्वारा समर्थन मूल्य पर बेचे गए धान का भुगतान समय पर प्राप्त हो, इसके लिए आवश्यक प्रबंध किए जाएँ। धान उपार्जन के लिए आवश्यक नये एवं पुराने जूट बारदाने की व्यवस्था समयानुसार सुनिश्चित करने की जानकारी दी गई। धान की रिसाइक्लिंग रोकने हेतु प्रभावी प्रबंध करने और सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध धान की रोकथाम के लिए विशेष जाँच दल गठित करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार, उपार्जित धान की मिलिंग हेतु आवश्यक तैयारियाँ करने पर भी बल दिया गया।

मसानडबरा आवास कॉलोनी बनेगी कमार समाज की पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विशेष पिछड़ी जनजाति कमार समुदाय के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने की दिशा में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना ऐतिहासिक पहल साबित हो रही है। धमतरी जिले के नगरी विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत संकरा के आश्रित ग्राम मसानडबरा में इस योजना के तहत पक्के मकानों का निर्माण किया जा रहा है। यह देश की दूसरी और छत्तीसगढ़ की पहली प्रधानमंत्री जनमन आवास कॉलोनी है, जो कमार समाज के सामाजिक-आर्थिक उत्थान का प्रतीक होगी।

मसानडबरा ग्राम पंचायत संकरा से लगभग 5 किमी दूर सुदूर वनांचल में स्थित है। यहाँ मुख्यत: कमार परिवार निवासरत हैं। कुल 42 परिवारों में से 36 पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत मकान स्वीकृत

किए गए हैं। वर्तमान में ये परिवार जर्जर कच्चे मकानों में रहते हैं और आजीविका हेतु मुख्यत: वनोपज जैसे महुआ, टोरा, कोसा, कंदमूल, दातून एवं तेंदूपत्ता पर निर्भर हैं।

धमतरी जिले में पीएम जनमन योजना अंतर्गत कुल 1481 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से अब तक 982 आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। 1470 हितग्राहियों को 23.90 करोड़ रुपये की राशि प्रदाय की जा चुकी है। मसानडबरा कॉलोनी को एक मॉडल बसाहट के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके तहत एक जैसे डिज़ाइन में पक्के मकान, आकर्षक टाइल्स और रंग-रोगन के साथ प्रत्येक घर में स्वच्छ शौचालय और पेयजल सुविधा, प्रत्येक आँगन में फलदार वृक्षारोपण, कॉलोनी में सीसी सड़क, सार्वजनिक उद्यान, बच्चों के लिए झूलाघर और हाईमास्ट लाइट की व्यवस्था की गई है। साथ ही स्थानीय परंपराओं के सम्मान में देवगुड़ी की स्थापना भी की जा रही है।

कमार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न आजीविका गतिविधियाँ जोड़ी गई हैं, जिनमें किराना दुकान, सैलून, सामूहिक मुर्गी पालन और सुअर पालन हेतु शेड निर्माण तथा लिलांज नदी पर स्टॉप डेम बनाकर मछली पालन को बढ़ावा देना शामिल है। इन प्रयासों से न केवल आजीविका के साधन विकसित होंगे बल्कि समुदाय की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी।

प्रधानमंत्री जनमन आवास कॉलोनी से कमार परिवारों को न केवल सुरक्षित और सम्मानजनक आवास मिलेगा, बल्कि उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में भी बड़ा सुधार होगा। आने वाली पीढ़ियों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे और समुदाय मुख्यधारा से जुड़ सकेगा।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत मसानडबरा में बनाई जा रही यह कॉलोनी केवल आवास उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन स्तर में सुधार, आजीविका संवर्धन और सामाजिक सम्मान दिलाने का भी कार्य कर रही है। मसानडबरा की प्रधानमंत्री जनमन आवास कॉलोनी न केवल आवास निर्माण की पहल है, बल्कि कमार समुदाय के सामाजिक और आर्थिक पुनर्निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम भी है।

शिक्षा से संवरता है भविष्य, बेटियों को मिल रहा समान अवसर: मंत्री टंकराम वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने शुक्रवार को बलौदाबाजार विकासखंड के शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय चांपा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर छात्र-छात्राओं के बीच नई ऊर्जा का संचार किया। उन्होंने विद्यालय परिसर में प्रार्थना शेड एवं किचन शेड निर्माण के लिए भूमिपूजन किया तथा सरस्वती साइकिल योजना अंतर्गत 57 छात्राओं को साइकिल वितरित की। इसके साथ ही कक्षा 10वीं एवं 12वीं की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि के चेक भी प्रदान किए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि दृढ़ निश्चय और ईमानदार मेहनत से कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं रहता।

विद्यार्थियों को अभी से अपना लक्ष्य निर्धारित कर पूरी लगन से पढ़ाई करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए सतत कार्य कर रही है। युक्तियुक्तकरण नीति के तहत शिक्षकविहीन व एकल शिक्षक संचालित शालाओं में शिक्षकों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। मंत्री वर्मा ने कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश में राष्ट्रीय महत्व के संस्थान स्थापित हुए हैं। इंजीनियरिंग व मेडिकल शिक्षा में भी बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए संसाधन और सुविधाएं दी जा रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से बेटियों की शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि शिक्षित महिला न केवल घर-परिवार को संवारती है बल्कि समाज और भविष्य को भी नई दिशा देती है।

विधायक गोमती साय ने सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रचार-प्रसार रथ को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधायक एवं सरगुजा आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती गोमती साय ने अपने निज निवास स्थान ग्राम मुण्डाडीह में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रचार-प्रसार रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। यह रथ पत्थलगांव विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत शहरों और गांवों में भ्रमण कर लोगों को योजना की जानकारी देगा और इसके लाभों से अवगत कराएगा। इस अवसर पर अनेक जनप्रतिनिधी ग्रामीण जन एवं विद्युत विभाग के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक साय ने कहा कि यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है।

इस योजना के अन्तर्गत 01 से 03 किलो वॉट तक रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित कर हर महिने 100 से 360 यूनिट तक बिजली उत्पादन किया जा सकता है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत् 01 किलोवॉट सोलर प्लांट लगाने पर केन्द्र सरकार की ओर से 30 हजार तो राज्य सरकार की तरफसे 15 हजार की सब्सिडी मिलती है। इसी तरह 02 किलोवॉट सोलर प्लांट लगाने पर केन्द्र सरकार की तरफ से 60 हजार तो राज्य सरकार की तरफसे 30 हजार की सब्सिडी और 03 किलोवॉट सोलर प्लांट लगाने पर केन्द्र सरकार की तरफसे 78 हजार तो राज्य सरकार की तरफ से 30 हजार की सब्सिडी मिलती है। इस योजना अन्तर्गत सोलर प्लांट लगाने वाले उपभोक्ताओं को बैंक के द्वारा 6 प्रतिशत दर पर आसान किस्तों में 10 वर्षों के लिए ऋण की सुविधा दी गई है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ता योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ता पीएम सूर्य घर मोबाईल ऐप, सीएसपीडीसीएल वेबसाइट, मोर बिजली ऐप अथवा टोल फ्री नंबर 1912 पर कॉल कर आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा, इच्छुक उपभोक्ता नजदीकी सीएस पीडीसीएल कार्यालय से भी सम्पर्क कर सकते हैं।

कोण्डागांव जिला अस्पताल ने रचा इतिहास, पहली बार लेप्रोस्कोपिक पद्धति से सफल किडनी ऑपरेशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोंडागांव जिले ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कोण्डागांव जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने पहली बार लेप्रोस्कोपिक पद्धति से किडनी का सफल ऑपरेशन किया। कोण्डागांव के बाजारपारा की 35 वर्षीय सावित्री कोर्राम घर चलाने के लिए दूसरों के घरों में झाड़ूपोछा और बर्तन धोने का काम करके अपने दो बेटे और दो बेटियों का पालनपोषण कर रही थी। लेकिन तकदीर ने फिर करवट बदली। दो वर्ष पहले उन्हें गंभीर किडनी रोग की पुष्टि हुई।

डॉक्टरों ने तत्काल ऑपरेशन की सलाह दी, लेकिन निजी अस्पताल का खर्च सुनते ही सावित्री की दुनिया जैसे थम गई। आर्थिक स्थिति ने उन्हें मजबूर किया कि वह अधूरे इलाज के साथ घर लौट आएँ। चार बच्चों की परवरिश और घर की जिम्मेदारियों के बीच सावित्री को लगा कि उनकी जिंदगी धीरे-धीरे खत्म हो रही है। हताशा और निराशा के बीच उन्होंने जिला अस्पताल कोण्डागांव का दरवाजा खटखटाया। अस्पताल के सर्जन डॉ. एस. नगुलन व उनकी टीम ने जांच की और स्पष्ट किया कि उनकी एक किडनी पूरी तरह खराब हो चुकी है, जिसे निकालना ही एकमात्र विकल्प है।

सामान्य ऑपरेशन में बड़े चीरे और संक्रमण का खतरा अधिक था। यह जोखिम उठाना सावित्री के लिए कठिन था। तब डॉक्टर नगुलन ने साहसिक निर्णय लिया ऑपरेशन लेप्रोस्कोपिक तकनीक से किया जाएगा।

जिला अस्पताल से प्राप्त जानकारी अनुसार 4 सितंबर को जिला अस्पताल कोण्डागांव में सावित्री का ऑपरेशन हुआ। ऑपरेशन थिएटर में डॉ. एस. नगुलन के साथ डॉ. शैलेश कुमार, डॉ. अनिल देवांगन, डॉ. कृष्णा मरकाम मौजूद थे। ओटी हेड नर्स स्वप्नप्रिया, स्टाफ नर्स पुष्पलता कुंवर, हेमंत मंडावी, संजना जैन, रामेश्वरी, अर्चना, साधना और रीना ने भी अहम भूमिका निभाई। करीब तीन घंटे चले इस ऑपरेशन में सावित्री की खराब किडनी को सफलतापूर्वक निकाला गया। यह ऑपरेशन पूर्णत: सफल रहा और अब सावित्री तेजी से स्वास्थ्य लाभ ले रही हैं। किडनी के सफलतापूर्वक इलाज के बाद सावित्री ने कहा पहले लगा कि गरीबी और बीमारी ने मेरी जिंदगी खत्म कर दी है। लेकिन जिला अस्पताल और आयुष्मान कार्ड ने मुझे नया जीवन दिया है।

प्रशासन की दूरदर्शिता और टीमवर्क

इस सफलता के पीछे जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की योजनाबद्ध मेहनत भी है। कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दे रहे हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. चतुर्वेदी और सिविल सर्जन डॉ. प्रेम मंडावी के मार्गदर्शन में यह ऐतिहासिक ऑपरेशन संभव हुआ।

यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाएँ निरंतर सुदृढ़ हो रही हैं। राज्य सरकार का विजन है कि अब इलाज के लिए मरीजों को बड़े शहरों पर निर्भर न रहना पड़े। पहले बस्तर अंचल के लोग गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए विशाखापत्तनम, रायपुर या अन्य बड़े शहरों का रुख करते थे, लेकिन अब जिला स्तर पर ही आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। कोण्डागांव जिला अस्पताल में हुआ यह लेप्रोस्कोपिक ऑपरेशन इसी दिशा में मील का पत्थर है।

चिर्रा से श्यांग मार्ग का निर्माण कार्य शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरबा विकासखंड के वनांचल क्षेत्र चिर्रा से श्यांग तक 12 किलोमीटर लंबे मार्ग के निर्माण कार्य की शुरुआत हो गई है। इस जर्जर सड़क के निर्माण से दो दर्जन से अधिक गांवों के लोगों को आवागमन की सुविधा मिलेगी। इस सड़क के निर्माण के लिए जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) से 9 करोड़ 35 लाख रुपये स्वीकृति दी गई है। लोक निर्माण विभाग द्वारा इस सड़क का निर्माण शुरू करा दिया गया है।

चिर्रा से श्यांग मार्ग जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर दूर हाथी प्रभावित क्षेत्र में स्थित है। बरसात के दौरान कीचड़ और गर्मी में धूल भरी सड़क पर आवागमन बेहद मुश्किल था। ग्रामीण लंबे समय से पक्की सड़क की मांग कर रहे थे। मार्ग बन जाने से गुरमा, श्यांग होते हुए धरमजयगढ़ पहुंचना आसान होगा और सिमकेदा, विमलता, चिर्रा, गीतकंवारी, लबेद, तीतरडांड, गिरारी सहित कई गांवों को सीधा लाभ मिलेगा।

ग्रामीणों ने सड़क निर्माण शुरू हाने पर खुशी जताते हुए कहा कि अब आवागमन आसान होगा। लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री जी.आर. जांगड़े ने बताया कि यह स्टेट हाइवे का हिस्सा है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

गरियाबंद एनकाउंटर : मारे गए सभी नक्सलियों के शव बरामद, बीजापुर में दो नक्सली ढेर

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में एक दिन पहले हुए एनकाउंटर के बाद मारे गए सभ्ज्ञी 10 नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। सभी नक्सलियों की पहचान भी हो गई है। मारे गए नक्सलियों में 6 पुरुष व 4 महिला नक्सली शामिल हैं। इन नक्सलियों पर छत्तीसगढ़ सरकार के साथ ही आंध्र व ओड़िशा सरकार ने भी इनाम घोषित कर रखा था। इन पर 3 करोड़ से भी ज्यादा का इनाम रखा गया था। इधर शुक्रवार को बीजापुर में सुरक्षाबलों ने दो नक्सलियों को मार गिराया है। मिली जानकारी केअनुसार मारे गए नक्सलियों में बालाकृष्णन, प्रमोद उर्फ पांडु, विमल, विक्रम, समीर, उमेश, अंजलि, सिंधु, रजिता और आरती शामिल हैं।

इधर बीजापुर जिले में शुक्रवार सुबह जवानों ने 2 नक्सलियों को मार गिराया है। जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र से दोनों नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। जवानों ने मौके से एक 303 राइफ्ल समेत भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किए हैं। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। हालांकि अभी मारे गए नक्सलियों की पहचान नहीं बताई गई है।

सड़क पर दौड़ रहा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटा, एक की मौत और दो घायल

जगदलपुर। दंतेवाड़ा जिले के बारसूर थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस घटना में एक शख्स की मौत हो गई और 2 लोग घायल हो गए हैं। घायलों को बेहतर उपचार के लिए बारसूर के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया है।

शुक्रवार की शाम को एक ट्रैक्टर में 3 लोग सवार होकर बारसूर से सामान लेकर वापस अपने ग्राम गीदम की ओर जा रहे थे कि अचानक बारसूर मार्ग के मोड़ में चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया। जिससे कि ट्रैक्टर पलट गया। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि चालक व साथ मे बैठा युवक घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे बेहतर उपचार के लिए बारसूर के अस्पताल लाया गया है। वहीं, मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बारसूर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पत्नी के साथ हुआ झगड़ा, गुस्साए पति ने फंदा लगाकर दे दी जान

कोरबा। कोरबा उरगा थाना अंतर्गत ग्राम ग्राम तिलकेजा के बटहा खार से आत्महत्या का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार 55 वर्षीय हरियल राम सोनवानी ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। बताया जा रहा है कि हरियल राम रोज की तरह सुबह घर से अपने खेत पर काम करने के लिए अकेले गया हुआ था, जहां उसकी लाश एक खेत में पेड़ पर लटकती हुई मिली। देखते हैं देखते ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई और इसकी सूचना उसके परिजनों को दी गई। वहीं, उरगा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच कार्रवाई शुरू की गई। हरियल राम ने अपनी गमछी से पेड़ पर फांसी लगाकर जान दी है। बताया जा रहा है कि मृतक हरियल राम और उसकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था इसके बाद उसने यह कदम उठाया।

जादुई कलश के नाम पर ग्रामीणों से ठगे 1.94 करोड़, 5 करोड़ मुनाफे का लालच, फर्जी-कंपनी बनाकर वसूली

शुरुआती जांच में मिले 1 करोड़ 94 लाख रुपए की ठगी के सबूत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में जादुई कलश के नाम पर ग्रामीणों से करोड़ों की ठगी की गई है। शातिर ठगों ने दावा किया कि उन्हें कोरबा से एक जादुई कलश मिला। इसकी कीमत विदेश में अरबों में हैं। सरकार इसको बेचेगी और मुनाफा सभी सदस्यों में बांटा जाएगा। ग्रामीणों को झांसे में लेकर ठगों ने सिक्योरिटी मनी और प्रोसेसिंग फीस के नाम पर 25,000 से 70,000 रुपए वसूले। 1 से 5 करोड़ रुपए मुनाफे का लालच दिया। यह मामला पत्थलगांव थाना क्षेत्र का है। जब ग्रामीणों को इसका फायदा नहीं मिला, तो उन्होंने थाने में शिकायत की। तब इस मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने शुक्रवार को 4 आरोपी को गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच में 1 करोड़ 94 लाख रुपए के ठगी के सबूत मिले हैं। यह रकम और भी ज्यादा हो सकती है।

ग्राम चिड़ौरा, थाना कांसाबेल क्षेत्रांतर्गत निवासी 33 वर्षीय प्रार्थिया अमृता बाई ने दिनांक 07.09.25 को थाना पत्थलगांव में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि वर्ष 2021 में , आर .पी. ग्रुप नाम की कंपनी,जिसके मुख्य संचालक आरोपी तुरेंद्र कुमार दिव्य उर्फ मनीष कुमार दिव्य एवं राजेंद्र कुमार दिव्य हैं,के द्वारा आरोपी प्रकाश चंद्र धृतलहरे व उपेन्द्र कुमार सारथी के साथ मिलकर, प्रार्थिया को यह बोलकर झांसे में लिया गया, कि कोरबा जिले के मंडवारानी में एक जादुई कलश मिला है , जिसे कि भारत सरकार के द्वारा जादुई कलश को विदेश में बेचा जायेगा, व उसके मुनाफे की राशि को, आर. पी. ग्रुप कंपनी में पैसा जमा करने वाले सदस्यों को अनुदान के रूप में दिया जाएगा, हर सदस्य को 1 से 5 करोड़ रुपए तक मिलेंगे, जिससे आरोपियों के झांसे में आकर प्रार्थिया भी सिक्यूरिटी मनी व प्रोसेसिंग फीस के रूप में 25000 रु जमा कर, उक्त आर.पी. ग्रुप कंपनी से जुड़ गई, आरोपियों के खिलाफवर्ष 2021 से 2024 तक हजारों लोगों से ठगी करते हुए, करोड़ों रुपए लेकर, रकम वापस न कर उनके साथ धोखाधड़ी किया गया है।

चूंकि मामला हजारों ग्रामीणों से करोड़ों की ठगी से संबंधित था, अत: मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए, मामले की जांच व आरोपियों की पता साजी हेतु, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह के द्वारा,एस डी ओ पी पत्थलगांव धुर्वेश कुमार जायसवाल के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित कर, बिलासपुर, कोरबा एवं सीतापुर भेजी गई थी, जिनके द्वारा कार्यवाही करते हुए, आर. पी. ग्रुप कंपनी के मुख्य संचालक राजेंद्र कुमार दिव्य, तुरेंद्र उर्फ मनीष कुमार दिव्य सहित उनके सहयोगी प्रकाश चंद्र धृतलहरे व उपेन्द्र कुमार सारथी को हिरासत में लेकर वापस लाया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने खोले राज

पुलिस की पूछताछ पर आरोपियों ने बताया कि, उसके एक अन्य साथी जिसका नाम महेंद्र बहादुर सिंह ठाकुर है, के द्वारा उन्हें बताया गया था कि, उसके पास एक कलश है, जो कि काफी महंगे धातु का बना है, उसमें जादुई लक्षण हैं, जो कि चावल को भी खींच लेता है, उक्त कलश की विदेशों में कीमत अरबों रुपए में है, उक्त रकम को वह अकेला नहीं ले सकता है, कलश की बिक्री से उसे जो भी रकम मिलेगा, उसको अन्य लोगों को अनुदान के रूप में देने के लिए उसके द्वारा एक आर. पी. ग्रुप नाम की कंपनी बनाई गई है। जिसमें की महेंद्र बहादुर सिंह ठाकुर के द्वारा उक्त गिरफ्तार आरोपियों को आर. पी ग्रुप का मुख्य बनाया गया और उनके द्वारा अन्य बीस लोगों को ग्रुप में जोड़ते हुए, कंपनी का हेड बनाने हेतु कहा गया था व कलश को बिक्री करने के लिए विदेश के लोगों को बुलाना पड़ेगा, कहकर, उनके आने जाने, रुकने एवं रकम प्राप्ति में जो भी खर्च होगा, उसके लिए कंपनी में जुड़े सदस्यों से रकम इकट्ठा करने हेतु कहा गया,। जिस पर उक्त आरोपियों के द्वारा ग्रुपमें जुड़ने पर 1 से 5 करोड़ रुपए तक मिलेगा कहकर , ग्रामीणों को प्रलोभित करते हुए उनसे रकम वसुली गई थी।

बिलासपुर व रायगढ़ संभाग में भी की लोगों से ठगी

पुलिस की जांच में पता चला है कि आरोपियों के द्वारा बिलासपुर व रायगढ़ संभाग के भी विभिन्न जिलों में, हजारों ग्रामीणों से , उनके आधार कार्ड, पेन कार्ड एवं फोटो लेकर , आर. पी. ग्रुप कंपनी में जुड़ने के लिए, के वाई सी. नॉमिनी व सिक्यूरिटी मनी तथा प्रोसेसिंग फीस के रूप में प्रति व्यक्ति 25000 रु से लेकर 50000,70000 रुपए तक के रहे थे। आरोपियों के द्वारा भोले भाले ग्रामीणों को प्रलोभन देकर ठगी कर धोखाधड़ी करते हुए , करीबन 01 करोड़ 94 लाख रुपए लेना स्वीकार किया गया है। मामले में पुलिस की जांच जारी है, ठगी की रकम और भी बढ़ने की संभावना है। मामले में आरोपी महेंद्र बहादुर सिंह ठाकुर सहित एक अन्य आरोपी भी है फरार, पुलिस के द्वारा उनकी पता साजी की जा रही है, जिन्हें भी शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बढ़ सकती है ठगी की रकम

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि पुलिस ने थाना पत्थलगांव में दर्ज एक ठगी के मामले का खुलासा किया है, जिसमें ठगों के द्वारा हजारों ग्रामीणों से कलश के नाम पर करोड़ों रुपए की ठगी की गई थी,चार आरोपी ठगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, दो आरोपी फरार है जिसकी पता साजी की जा रही है, मामले में पुलिस की जांच जारी है, ठगी की रकम और भी बढ़ने की संभावना है।

छावनी क्षेत्र में दो सगे भाइयों का अपहरण निकला झूठा, यूपी पुलिस ने किया अरेस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छावनी थाना क्षेत्र में दो सगे भाईयों के अपहरण मामला झूठा निकला। दुर्ग पुलिस ने इस पूरे मामले में स्पष्टीकरण दिया है और बताया है कि यह अपहरण का मामला नहीं है। दरअसल दोनों भाइयों को उत्तर प्रदेश की पुलिस ने हिरासत में लिया है। इन दोनों भाइयों के खिलाफ यूपी के सुल्तानपुर में अपराध दर्ज है।

बता दें गुरुवार गुरुवार की रात 8 बजे के आसपास सुभाष चौक केम्प वन में विष्णु प्रसाद साव और उसका छोटा भाई शुभम प्रसाद साव एगरोल ठेला पर अपने काम में व्यस्त थे। इसी दौरान वहां पर एक आर्टिका वाहन आकर रुकी। आर्टिका से दो युवक उतरे और विष्णु प्रसाद साव का कालर पकड़कर घसीटते हुए गाड़ी के अंदर ले गए। यह देखकर शुभम प्रसाद साव पूछताछ करने लगा तो तीन से चार युवकों ने उसे भी उठाकर गाड़ी में डाल दिया और वहां से निकल गए।

जब यह घटनाक्रम हुआ तक दोनों भाइयों का चचेरा भाई हर्ष खड़ा था। थोड़ी दूर पर उनका मामा भी मौजूद था। जानकारी होते ही मामा ने बाइक में जलेबी चौक तक पीछा किया। लेकिन आर्टिका वाहन नजरों से ओझल हो चुकी थी। उसने तत्काल छावनी थाने में भांजों के अपहरण की सूचना दी। जिसके बाद पुलिस ने अपराध दर्ज कर अपहरणकर्ताओं की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटाई और उसके बाद पता चला कि यह अपहरण नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश की पुलिस दोनों भाइयों को हिरासत में लेकर गई है

इस मामले में दुर्ग पुलिस ने स्पष्टिकरण दिया है। एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया है कि यह अपहरण का मामला नहीं है बल्कि उत्तर प्रदेश की पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर ले गई है। एएसपी राठौर ने बताया कि उत्तरप्रदेश जिला अंबेडकर नगर थाना राजे सुलतानपुर में दर्ज दो अपराध क्रमांक 184/25, 185/25 में वहां की पुलिस ने विष्णु प्रसाद साव और उसका छोटे भाई शुभम प्रसाद साव को गिरफ्तार किया है। यूपी पुलिस ने मौके पर मौजूद परिजन को इसकी सूचना दी गई थी और दुर्ग पुलिस को जानकारी दी गई।

पकड़े गए राहगीरों से लूट करने वाले बदमाश दुर्ग भिलाई में 14 वारदातों को दिया था अंजाम

- 7 थानों में दर्ज हैं मामले, आरोपियों में तीन बालिग व 6 नाबालिग शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राहगीरों के लिए आतंक का पर्याय बन चुके बाइक सवार लूटेरों को पुलिस ने पकड़ लिया है। मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों को निशाना बनाने वाले इस गिरोह के कुल 9 आरोपी पकड़े गए हैं। इनमें 3 बालिग व 6 नाबालिग शामिल हैं। लूट, चोरी, झपटमारी, हत्या के प्रयास सहित विभिन्न थानो में 14 मामले इनके खिलाफ दर्ज हैं।

बता दें दुर्ग जिले में विगत कुछ दिनों में विभिन्न थाना क्षेत्रो में राहगिरो को निशाना बनाकर उनसे मोबाईल, नगदी को छिनकर धारदार हथियार से हमला कर फरार हो जाते थे। विभिन्न थानी क्षेत्रों में जिसकी प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना में लिया गया था। झपट मारी की घटना पर रोक लगाने हेतु दुर्ग पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के निर्देशन में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान थाना भिलाई नगर के 04 प्रकरण, मोहन नगर के 01 प्रकरण, चौकी स्मृति नगर 01 प्रकरण, वैशाली नगर 01 प्रकरण, खुर्सीपार 02 प्रकरण, जामुल 01 प्रकरण, चौकी जेवरा सिरसा 03 प्रकरण कुल 14 प्रकरणो में आरोपियो कि गिरफ्तारी एवं उनसे घटना में प्रयुक्त हथियारो की जब्ती एवं रकम की बरामदगी की गई है।

इन प्रकरणों में एसीसीयू एवं विभिन्न थानों की टीम शहर के घटना स्थलो के आस-पास के सीसीटीवी फुटेज एवं टेकनिकल सूचना के आधार पर 03 आरोपियो की पहचान स्थापित हुई जिनको घेराबंदी कर पकड़ा गया पूछताछ करने पर अपने अन्य साथियो के नाम बताये और विभिन्न थाना क्षेत्रो के प्रकरणो में शामिल होकर घटना कारित करना स्वीकार किये। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अन्य आरोपियों की भी पहचान की गई प्रार्थियों से भी आरोपियों के पहचान कराई गई जिसमें प्रार्थियों ने आरोपियों को पहचाना। 03 आरोपी टिल्लू उर्फकुनाल, आलम, और अनुज एवं 06 विधि से संधर्षरत आपचारी बालको की संलिप्तता स्पष्ट हुई। 1 बालिग एवं 6 नाबालिग को विधिवत् हिरासत में लेकर पूछताछ कर मेमोरेण्डम के आधार पर जप्ती किया गया एवं माननीय न्यायालय में पेश किया गया। आरोपियो से जप्त सामाग्री में 04 मोबाईल, 02 चाकू, 01 कटर, 03 दो पहिया वाहन को जब्त किया गया।

एक दिन में 3 नवजात की मौतः अविवाहित युवती ने अस्पताल में दिया शिशु को जन्म, मिला भ्रूण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक ही दिन तीन अलग-अलग घटनाओं में नवजात शिशुओं की मौत ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। इन दर्दनाक घटनाओं ने न केवल पुलिस-प्रशासन को अलर्ट कर दिया है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक जिम्मेदारी पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कोतवाली थाना अंतर्गत हसदेव पुल के पास एक थैली में नवजात भ्रूण मिलने से सनसनी फैल गई। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। जांच में उसी स्थान से एक डायग्नोसिस सेंटर की थैली भी मिली है, जिसके आधार पर पुलिस अब जांच में जुटी हुई है। वार्ड नंबर 2 के पार्षद ईश्वर पटेल ने बताया कि इस क्षेत्र में भ्रूण मिलने की यह तीसरी घटना है, जिससे बस्तीवासियों में भारी आक्रोश है।

दूसरी घटना- नाबालिग ने दिया जन्म, नवजात की मौत

टीपी नगर स्थित एक निजी अस्पताल में नाबालिग लड़की ने शिशु को जन्म दिया, लेकिन जन्म के कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गई। इस मामले ने नर्सिंग एक्ट के उल्लंघन और निजी अस्पताल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सीएसपी भूषण एक्का ने पुष्टि की कि मामले की रिपोर्ट दर्ज की गई है और पुलिस जांच कर रही है।

तीसरी घटना- अविवाहित युवती का दर्दनाक सच

मोरगा चौकी क्षेत्र की एक अविवाहित युवती, जो कोरबा में कोचिंग की तैयारी के लिए रह रही थी। उसने जिला अस्पताल में शिशु को जन्म दिया। लेकिन नवजात ने जन्म के तुरंत बाद दम तोड़ दिया। युवती ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि एक युवक ने शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण किया, जिसके कारण वह गर्भवती हुई। इन तीनों घटनाओं ने शहर में गहरी चिंता और आक्रोश पैदा कर दिया है। एक ओर नवजात शिशुओं की मौतें स्वास्थ्य व्यवस्था और समाज की संवेदनहीनता को उजागर करती हैं। वहीं नाबालिग और अविवाहित लड़कियों से जुड़े मामले कानून और सुरक्षा तंत्र की पोल खोलते हैं।

कुम्हारी रेलवे स्टेशन क्षेत्र में रेलवे की कार्रवाई 50 साल पुराने कब्जों पर चला बुलडोजर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के कुम्हारी रेलवे स्टेशन के कॉलोनी क्षेत्र में गुरुवार को रेलवे ले बड़ी कार्रवाई करते हुए यहां पांच दशकों से रह रहे लोगों को कब्जा हटाया। रेलवे की जमीन पर हुए कब्जों पर बुलडोजर चला। इस दौरान 50 से ज्यादा मकानों पर दुकानों को तोड़कर मलबे में परिवर्तित कर दिया गया।

बता दें कुम्हारी रेलवे स्टेशन परिसर पर पिछले 40 से 50 साल से लोग रह रहे हैं। रेलवे की जमीन पर घर पर दुकान बनाकर व्यवसाय भी कर रहे हैं। रेलवे द्वारा जमीन से कब्जे हटाने कई दफे नोटिस दिया गया। बताया जा रहा है कि अतिक्रमण हटाने का मामला 2017 से लंबित था। इस बीच दुकानदारों व घर वालों को नोटिस जारी करने की बात रेलवे द्वारा कही जा रही है। वहीं प्रभावित लोगों का कहना है कि दुकानों को नोटिस मिली थी लेकिन घरों को नहीं। बहरहाल गुरुवार को रेलवे ने कार्रवाई करते हुए सभी कब्जों को ढहा दिया।

गुरुवार दोपहर को अचानक बुलडोजर के साथ रेलवे अमला पहुंच गया। इस दौरान आरपीएफ़ जीआरपी व जिला पुलिस बल के जवान भी मौजूद रहे। रेलवे की कार्रवाई के दौरान लोगों ने थोड़ा बहुत विरोध किया लेकिन ज्यादा कुछ नहीं हुआ।

किराना दुकान संचालक ने ब्लेड से गला काटकर दे दी जान, सगाई टूटने से परेशान था शख्स

- नंदिनी थाना क्षेत्र का मामला, जांज में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के नंदिनी नगर थाना क्षेत्र में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक किराना दुकान संचालक युवा ने ब्लेड से अपना गला काटकर जान दे दी। युवक की शादी नहीं हो रही थी और हाल ही में एक सगाई भी टूट चुकी थी। इसके कारण व तनाव में था और शुक्रवार सुबह उसने खौफ्नाक कदम उठा लिया। युवक की लाश घर के बाथरूम में खून से लथपथ मिली थी। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और आगे की जांच शुरू की।

नंदिनी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक-2 अहिवारा निवासी भूपेंद्र कुमार सेन (30) की खून से लथपथ लाश अपने घर के बाथरूम में खून से लथपथ मिली। परिवार वालों ने देखा तो उनके होश उड़ गए। आनन फानन में पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर नंदिनी थाना प्रभारी दल बल के साथ पहुंचे और पंचनामा कार्रवाई शुरू की। परिजनों ने पूछताछ में बताया कि 6 माह पहले भूपेन्द्र की सगाई टूटी थी।

इसके बाद से ही वह तनाव में रहने लगा था। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस आत्महत्या का कारण सगाई टूटने व शादी नहीं होने के कारण तनाव को मान रही है। युवक पिछले कुछ माह से चुपचाप रहता था और किसी से ज्यादा बात भी नहीं करता था। परिजनों का बयान लेने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया। फ्लिहाल नंदिनी पुलिस घटना की जांच कर रही है।

पिछले कुछ दिनों से चुपचाप रहने लगा था

भूपेंद्र अपने माता-पिता और 2 भाइयों के साथ रहता था। परिवार का कहना है कि वह पिछले कुछ दिनों से चुपचाप रहने लगा था। दुकान में काम पर भी पहले जैसी रुचि नहीं ले रहा था। घरवालों ने कई बार उससे बात करने की कोशिश की, लेकिन उसने कभी खुलकर अपनी परेशानी साझा नहीं की।

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

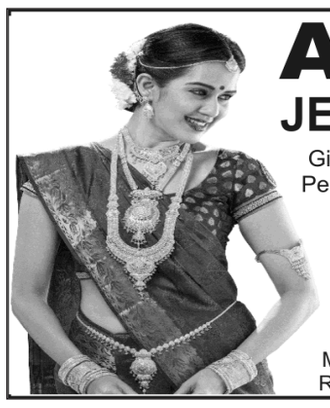
Ashok
JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षो से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

मनोरंजन के साथ ही कार्टून समाज को जागरूक करने वाली कला भी - मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित कार्टून फेस्टिवल-2025 में शामिल हुए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कार्टून केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज का दर्पण भी है, जो हास्य और व्यंग्य के माध्यम से गंभीर मुद्दों को सरलता से प्रस्तुत करता है। कार्टून मनोरंजन के साथ ही समाज को जागरूक करने और सोचने के लिए प्रेरित करने वाली कला है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने जम्मू-कश्मीर के प्रख्यात कार्टूनिस्ट मनोज चोपड़ा को कार्टून वॉच पत्रिका का लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान किया। उन्होंने कार्टून फेस्टिवल में हिस्सा ले रहे कार्टूनिस्टों का उत्साहवर्धन करते हुए स्वयं भी कार्टून बनाया।

कार्टून वॉच फेस्टिवल को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह गर्व की बात है कि कार्टून वॉच पत्रिका ने 29 वर्षों का सफल सफर तय कर लिया है और अब अपने 30वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। मैं कार्टून वॉच की पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ कि वे आगे भी कार्टून की इस विधा में उत्कृष्ट कार्य करते रहें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यदि अगले वर्ष कार्टून वॉच फेस्टिवल बस्तर में आयोजित हो तो यह अत्यंत हर्ष का विषय होगा। बस्तर में अब शांति स्थापित हो रही है और जल्द ही यह क्षेत्र पूर्णतः नक्सलमुक्त होगा। नियद नेल्ला नार योजना (जिसका अर्थ है ङ्क आपका अच्छा गाँव) के माध्यम से सरकार की योजनाएँ बस्तर के लोगों तक पहुँच रही हैं। 300 से अधिक गाँवों में अब तक सड़क, बिजली, पानी और राशन कार्ड जैसी सभी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। जहाँ पहले बंदूक की आवाज गूंजती थी, वहाँ अब स्कूल की घंटी बज रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर ओलंपिक में 1 लाख 65 हजार लोगों ने हिस्सा लिया।

इसी तरह बस्तर की सांस्कृतिक पहचान का उत्सव बस्तर पंडुम आयोजित किया गया, जिसमें 47 हजार लोग शामिल हुए। यह इस बात का प्रमाण है कि बस्तर के लोग अब मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। कल ही मैं बस्तर में इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में शामिल हुआ। अब बस्तर में बड़े पैमाने पर निवेश के साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के रोडमैप के रूप में हमने विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है। छत्तीसगढ़ में सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डाटा सेंटर और टेक्सटाइल सहित अनेक क्षेत्रों में निवेश हो रहा है। हाल ही में जापान और कोरिया की यात्रा के दौरान भी हमने उद्योगों के साथ कई एमओयू किए हैं। छत्तीसगढ़ का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है।

उन्होंने कहा कि कार्टून एक बेहद सशक्त माध्यम है। कार्टून वॉच की टीम सरकार की योजनाओं को भी कार्टून के जरिए आमजन तक पहुँचाए। कार्टून वॉच का यह प्रयास कार्टूनिस्टों को मंच प्रदान करता है, जो उनकी रचनात्मकता को और निखारने में सहायक है।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि कार्टून की विधा मीडिया और साहित्य का अद्भुत संगम है। यह विधा चुटीलेपन के साथ गागर में सागर भरने का सामर्थ्य रखती है। मैं स्वयं जब भी समाचार पत्र पढ़ता हूँ, कार्टून अवश्य देखता हूँ। श्री त्रयम्बक शर्मा ने कार्टून की इस विधा को जीवंत बनाए रखने में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

विधायक श्री अनुज शर्मा ने कहा कि कार्टून वॉच देश की एकमात्र कार्टून पत्रिका है। 30 वर्षों की यह यात्रा इसके संपादक श्री त्रयम्बक शर्मा के जज़्बे को दर्शाती है। उनका यह सफर सभी कलाकारों के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने अपने कार्य से यह साबित किया है कि किसी भी क्षेत्र में पूरे समर्पण और निष्ठा से कार्य करने पर सफलता अवश्य प्राप्त की जा सकती है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी आलोक सिंह, डॉ. हिमांशु द्विवेदी, कार्टून वॉच के संपादक त्रयम्बक शर्मा सहित अनेक कार्टूनिस्ट और साहित्य-कला जगत के गणमान्यजन उपस्थित थे।

केन्द्रीय युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय की वर्चुअल बैठक में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव आज केन्द्रीय युवा कार्य एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में आयोजित वर्चुअल बैठक में शामिल हुए। बैठक में खेल एवं युवा विकास से संबंधित चुनौतियों व अवसरों पर विस्तार से चर्चा की गई। श्री साव अपने प्रवास के दौरान मुंगेली कलेक्टोरेट से ऑनलाइन बैठक में शामिल हुए।

बैठक में युवाओं को खेलों से जोड़ने और देश में खेल संस्कृति विकसित करने के लिए 'खेलो इंडिया' योजना की तर्ज पर नई युवा कल्याण योजना शुरू करने पर चर्चा की गई। साथ ही हर राज्य में खेल विश्वविद्यालयों की स्थापना, खेल प्राधिकरण ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय केंद्रों की संख्या में वृद्धि, खेल अधोसंरचनाओं के रखरखाव एवं मरम्मत के लिए विशेष बजट प्रावधान, एकीकृत डिजिटल स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म के विकास जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार के स्कूलों में खेलों के लिए बुनियादी ढांचे विकसित करने तथा आवश्यक स्टॉफ की भर्ती करने का सुझाव दिया। उन्होंने नवोदय एवं एकलव्य विद्यालयों में भी खेलों पर विशेष फोकस करते हुए प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे ले जाने की जरूरत बताई। उन्होंने राज्य के सभी स्कूलों और कॉलेजों में नियमित खेल गतिविधियां संचालित करने विशेष कार्ययोजना तैयार करने की भी बात कही।

श्री साव ने बैठक में ''साइ'' के रीजनल सेंटर्स में खेल प्रशिक्षकों की कोचिंग स्किल तथा उनके ज्ञान एवं कौशल के उन्नयन का भी सुझाव दिया। उन्होंने खेल कोटे से शासकीय सेवाओं में नियुक्त खिलाड़ियों को अन्य कार्यों में संलग्न न कर केवल खेल से जुड़ी जिम्मेदारियां देने पर जोर दिया ताकि उभरते खिलाड़ियों को उनके अनुभवों का लाभ मिल सके। श्री साव ने कहा कि खेलों को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ाने तथा खेल अधोसंरचनाओं के विस्तार की जरूरत है। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने व्यवस्थित खेल नीति बनाने व खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर की मॉनिटरिंग के लिए कार्ययोजना बनाने का भी सुझाव दिया। उप मुख्यमंत्री साव के साथ मुंगेली की अतिरक्त कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर छाबड़ा और एसडीएम श्री अजय शतरंज भी वर्चुअल बैठक में मौजूद थे।

करसाय ता बस्तर बरसाय ता बस्तर : उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा ने बस्तर ओलंपिक की तैयारियों की समीक्षा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री द्वय अरुण साव और विजय शर्मा ने बस्तर ओलंपिक की तैयारियों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री साव के नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में आयोजित बैठक में पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी बस्तर ओलंपिक का वृहद आयोजन करने इसकी रुपरेखा और व्यवस्थागत तैयारियों पर गहन चर्चा की गई। आगामी अक्टूबर-नवम्बर में होने वाले बस्तर ओलंपिक में तीन स्तरों विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

40 हजार से अधिक खिलाड़ी लेंगे भाग, 11 खेलों में दिखाएंगे कौशल

इनमें बस्तर संभाग के सातों जिलों और 32 विकासखंडों के 40 हजार से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। खेल और युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार, संयुक्त सचिव सुखनाथ अहिरवार और संचालक श्रीमती तनूजा सलाम भी बैठक में शामिल हुईं।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने बैठक में कहा कि बस्तर ओलंपिक केवल खेलों का आयोजन नहीं है, बल्कि विकास और खेल का संगम है। यह संगठित रूप से बस्तर के युवाओं के सशक्तीकरण और उनमें नेतृत्व के विकास की पहल है। राज्य सरकार इन रचनात्मक पहलों से बस्तर में भयमुक्त वातावरण बनाकर युवाओं को खेल और उत्सव से जोड़ना चाहती है। उन्होंने बस्तर ओलंपिक के सफल आयोजन के लिए विभिन्न विभागों के साथ समन्वय कर पुख्ता कार्ययोजना तैयार करते हुए आयोजन के ध्येय वाक्य 'करसाय ता बस्तर बरसाय ता बस्तर' (खेलेगा बस्तर जीतेगा बस्तर) को धरातल पर उतारने के निर्देश दिए। श्री साव ने यूथ आइकॉन घोषित किए गए पिछले वर्ष के विजेता खिलाड़ियों, बस्तर संभाग के सभी खेल अधिकारियों, पी.टी.आई., पंचायत सचिवों, 'बिहान' की महिलाओं और खेल संघों को सक्रियता से जोड़कर बस्तर ओलंपिक को जन-जन तक पहुंचाने को कहा।

उप मुख्यमंत्री तथा गृह मंत्री विजय शर्मा ने बैठक में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों से कहा कि बस्तर ओलंपिक को यादगार बनाने सभी विभाग अपनी-अपनी भूमिका और कार्यों के अनुरूप जिम्मेदारियों का वहन करें। बस्तर के ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों की भागीदारी उनका आत्मविश्वास बढ़ाएगी और सकारात्मक वातावरण तैयार करेगी। उन्होंने बस्तर ओलंपिक के आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए इसमें बस्तर के सभी गांवों के सभी बच्चों की भागीदारी सुनिश्चत करने को कहा। श्री शर्मा ने आयोजन की तैयारियों को मूर्त रूप देने जल्दी ही इससे जुड़े विभागों, अधिकारियों और संस्थाओं की बस्तर में भी बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए जिससे की तैयारियों को और गति दी जा सके।

विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर करीब डेढ़ महीने तक चलने वाले बस्तर ओलंपिक में 11 खेलों को शामिल किया गया है। जूनियर वर्ग में बालक और बालिकाओं तथा सीनियर वर्ग में महिला और पुरूषों के लिए प्रतियोगिताएं होंगी। नक्सल हिंसा के दिव्यांगों तथा आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए भी संभाग स्तर पर पुरूषों और महिलाओं के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। बस्तर ओलंपिक के दौरान एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, हॉकी, वेटलिफ्टिंग, कराटे, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल और रस्साखींच में पूरे बस्तर के खिलाड़ी अपना खेल कौशल दिखाएंगे।

पुस्तकों की छपाई से लेकर परिवहन तक एक ही टेंडर के माध्यम हो: शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय (महानदी भवन) नवा रायपुर अटल नगर में शिक्षा विभाग की बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री यादव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए।

बैठक में मंत्री श्री यादव ने कहा कि पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा पुस्तको की छपाई से लेकर परिवहन तक एक ही टेंडर के माध्यम से करने के निर्देश दिए ताकि समय कर राशि की बचत हो। बैठक में सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, संचालक लोक शिक्षण ऋतुराज रघुवंशी, एमडी समग्र शिक्षा संजीव कुमार झा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम शिक्षकों की कमी को दूर करने के मुद्दे पर चर्चा हुई। मंत्री यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी शैक्षणिक सत्र से पहले 5000 शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षकों एवं जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति को ऑनलाइन एवं परिसर स्तर पर अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

बैठक में मंत्री ने कहा कि राजपत्रित अधिकारियों की भर्ती लोक सेवा आयोग (पीएससी) के माध्यम से की जाएगी। पाठ्यपुस्तक वितरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री यादव ने कहा कि यह स्पष्ट किया जाए कि अभी कितने स्थानों पर पुस्तक वितरण शेष है और कितनी अतिरिक्त मांग बची हुई है। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यों में स्पष्टता होनी चाहिए और हर कार्य उसकी जिम्मेदार संस्था के माध्यम से ही किया जाए। समस्त प्रशिक्षण कार्यक्रम अब एससीईआरटी के माध्यम से अनिवार्य रूप से संचालित होंगे।

बैठक में भवनविहीन स्कूलों की स्थिति की जानकारी, उन्हें फुल फर्निश्ड स्कूलों के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक व्यय तथा तदर्थ स्कूलों की राशि पर भी विस्तृत चर्चा हुई। मंत्री श्री यादव ने कहा कि बजट का पूरा उपयोग सुनिश्चित किया जाए और राशि लैप्स न हो, इसके लिए अभी से कार्ययोजना तैयार की जाए। बड़े शहरों में जहां शासकीय भवन उपलब्ध हैं, वहाँ नीट और जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थाओं के सहयोग से कक्षाएं शुरू करने पर भी विचार किया गया। शाला त्यागी बच्चों को पुनः विद्यालयों से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने पर जोर दिया गया।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि शाला प्रवेश उत्सव के समय ही छात्र-छात्राओं को वितरण की जाने वाली सामग्रियों की अग्रिम कार्ययोजना बनाकर समय पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। स्कूलों की परीक्षा समाप्त होने के पश्चात शिक्षकों का जिला एवं ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण प्रारंभ कराया जाएगा। प्रशिक्षण उपरांत परीक्षा लेकर शिक्षकों की दक्षता का मूल्यांकन होगा।

इसके लिए एक स्पष्ट शैक्षणिक कैलेंडर तैयार किया जाएगा और डीआईईटी/बीआईईटी को सशक्त बनाया जाएगा। मंत्री गजेन्द्र यादव ने बैठक के अंत में कहा कि शिक्षा विभाग की सभी योजनाएँ और कार्यक्रम समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से लागू किए जाएं।

स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने पर दें विशेष जोर: वन मंत्री कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में जगदलपुर स्थित वन विद्यालय के सभाकक्ष में वन विभाग के विभिन्न कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में वृक्षारोपण, कूप कटाई, निर्माण कार्य, राजस्व संग्रहण, वनों के संरक्षण तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही, ग्रामीणों की आय में वृद्धि के लिए विभाग द्वारा संचालित प्रयासों की गहन समीक्षा की गई।

वन मंत्री कश्यप ने बैठक में कहा कि वनों के संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों विशेषकर युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने पर विशेष जोर दिया जाए। इस दिशा में कार्ययोजना के अनुरूप वृक्षारोपण, सयुंक्त वन प्रबंधन और समुदाय की सहभागिता से वनों की देखभाल और प्रबंधन के लिए व्यापक प्रयास किया जाए। साथ ही लाख पालन, वनोत्पाद पर आधारित प्रसंस्करण एवं ईको टूरिज्म के जरिए रोजगार सृजन को बढ़ावा दिया जाए। बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि वृक्षारोपण अभियान के तहत लाखों पौधे रोपे जा चुके हैं, जबकि कूप कटाई और निर्माण कार्यों में भी तेजी आई है। राजस्व संग्रहण में वृद्धि दर्ज की गई है और मालिक मकबूजा योजना के माध्यम से वनवासियों को उनके अधिकार सुनिश्चित किए जा रहे हैं। जन कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत लघु वनोपज संग्रहण और वैकल्पिक आजीविका स्त्रोतों पर फोकस किया गया, ताकि ग्रामीणों की आय दोगुनी हो सके।

इस अवसर पर वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि वनोपज वनवासियों की आजीविका का आधार है। इको टूरिज्म और वनोपज प्रसंस्करण के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को रोजगार दें। बस्तर कई दशकों से माओवाद से पीड़ित रहा है, किंतु अब माओवाद के साए से बाहर आ रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर के विभिन्न पर्यटन स्थानों पर सुविधाएं प्रदान करते हुए स्थानीय युवाओं को रोजगार दें। पर्यटन स्थानों के विकास में स्थानीय परंपराओं का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि लघु वनोपज के प्रसंस्करण का लाभ स्थानीय युवाओं को मिले। नीलगिरी और अकेशिया के विदोहन के लिए आवश्यक नीति निर्माण हेतु तत्परता से कार्य करें। वन भूमि से अतिक्रमण हटाने के पश्चात तत्काल वृक्षारोपण करें। वनमंत्री श्री कश्यप ने बैठक में वृक्षों की कटाई और अवैध परिवहन पर नजर रखने और कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। वन भूमि पर अतिक्रमण पर त्वरित कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि वनौषधि के संरक्षण के साथ ही वैद्यों के परंपरागत ज्ञान का उपयोग कर उनकी भूमि में वनौषधियों का रोपण करें तथा वन भूमि के तालाबों का उपयोग मछली पालन हेतु करें और स्थानीय युवाओं को रोजगार दें। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के साथ ही पौधों की देखभाल और वृक्षों का संरक्षण हमारा दायित्व है। इस दायित्व का निर्वहन भली भांति करें। योजना बनाकर कार्य को पूर्ण करें।

वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में माओवाद के खात्मे के बाद विकास की नई लहर चल रही है और वन विभाग को इसमें अग्रणी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने अधिकारियों को योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए। वन मंत्री श्री कश्यप ने बस्तर के नियद नेल्लानार योजना क्षेत्रों में वन विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में विशेष तौर पर ध्यान केंद्रित करने सहित नियमित रूप से मॉनिटरिंग किए जाने की बात कही। बैठक में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ अनिल साहू, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी अरुण पाण्डे, प्रधान मुख्य वन संरक्षक ओपी यादव, मुख्य वन संरक्षक आरसी दुग्गा, मुख्य वन संरक्षक कांकेर दिलराज प्रभाकर, मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी जगदलपुर सुश्री स्टाइलो मंडावी, तीनों वन वृत्त के सभी वन मंडलाधिकारी एवं उप वन मंडलाधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950